राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण रविवार,19 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –173 पृष्ठ–09 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन को लेकर राहुल गांधी का मोदी सरकार पर बड़ा हमला, कहा- कायरता की बड़ी कीमत चुकानी होगी

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने एकबार फिर मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का एक वीडियो ट्विटर पर शेयर करते हुए कहा, ÷चीन ने हमारी जमीन ले ली है और भारत सरकार चेम्बरलेन की तरह व्यवहार कर रही है। इससे चीन और आगे बढ़ेगा। हमारे देश को मोदी सरकार की कायरता की वजह से बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। इस ट्वीट के साथ राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में राजनाथ सिंह कहा रहे हैं कि लद्दाख में सीमा गतिरोध का हल खोजने के लिए चीन के साथ हो रही बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि इसमें किस हद तक कामयाबी मिलेगी। इसके साथ ही सिंह ने पड़ोसी देश को सख्त संदेश दिया कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत की एक इंच भी जमीन नहीं ले सकती। आपको बता दें कि राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लद्दाख के लुकुंग में एक अग्रिम चौकी पर सेना तथा भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत कोई कमजोर देश नहीं है और किसी ने इसके राष्ट्रीय आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाने की कोशिश की तो उसे उचित जवाब दिया जाएगा। राजनाथ सिंह ने पैगोंग झील से कुछ दूरी पर बनाए गए एक अस्थायी मंच से कहा, ''सीमा विवाद के हल के लिए (चीन के साथ) बातचीत चल रही है। बातचीत में जो भी प्रगति हुई है, मामले का समाधान होना चाहिए। लेकिन किस हद तक इसका हल होगा, मैं गारंटी नहीं दे सकता। हालांकि, मैं आश्वासन देना चाहता हूं कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत की एक इंच भूमि भी नहीं छू सकती है, इस पर कोई कब्जा नहीं कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''बातचीत के जरिए समाधान खोजने से बेहतर कोई विकल्प नहीं हो सकता।''

उमंग सिंघार ने अब पार्टी के सीनियर नेताओं को दिखाया आइना! नरोत्तम - ये युवा नेताओ की पीड़ा

भोपाल।

मध्य प्रदेश में उपुचनावों से पहले राजनीतिक हलचल ते हो गई है। एक तरफ कांग्रेस अपने ही पार्टी नेताओं की बगावत का सामना कर रही है तो वहीं दूसरी ओर पूर्व मंत्री उमंग सिंघार ने ट्वीट के जरिए बड़े नेताओं को आइना दिखाने की कोशिश की है। जिसके कई तरह के सियासी माइने निकाले जा रहे हैं। दूसरी ओर उमंग सिंघार के इस ट्वीट को बिना देरी लपकते हुए गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कांग्रेस पर तंज कसा है। सरकार में मंत्री रहे इस युवा नेता की यह पीड़ा कांग्रेस की वर्तमान हालत बताने के लिए काफी है। ये विलुप्त होती पार्टी अपने घर से उठने वाली आवाज़ सुन नहीं रही और अपनी हताशा हमारी पार्टी पर व्यक्त कर रही है। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व मंत्री उमंग सिंघार ने ट्वीट करते हुए लिखा कि आज का वक्त खुद को नेता बनाने का नहीं, पार्टी और संगठन को मजबूत करने का वक्त है। इस ट्वीट के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। कांग्रेस पार्टी और देशवासी कोरोना को खत्म करने की जंग लड़ रहे हैं और भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने की लड़ाई लड़ रही है। वहीं गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इस ट्वीट रिट्वीट करते हुए कहा कि कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे इस युवा नेता की यह पीड़ा कांग्रेस की वर्तमान हालत बताने के लिए काफी है। ये विलुप्त होती पार्टी अपने घर से उठने वाली आवाज़ सुन नहीं रही और अपनी हताशा हमारी पार्टी पर व्यक्त कर रही है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार का एनकाउंटर करने वाला विकास दुबे कौन है। उसका उपचुनाव में हम सबको मिलकर एनकाउंटर करना जरूरी है। आपको बता दें कि इससे पहले भी उमंग सिंघार एक ट्वीट को लेकर चर्चा में रह चुके हैं जिसमें उन्होंने लिखा था कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार का एनकाउंटर करने वाला विकास दुबे कौन है। उसका उपचुनाव में हम सबको मिलकर एनकाउंटर करना जरूरी है।

दंगा मामला : बैजल ने केजरीवाल से दिल्ली पुलिस के अनुरोध पर सात दिनों में निर्णय लेने को कहा

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर उनसे दंगों और सीएए विरोधी प्रदर्शनों से संबंधित मामलों में दिल्ली पुलिस की ओर से पैरवी करने के लिए छह वरिष्ठ वकीलों को नियुक्त करने के विभाग के प्रस्ताव पर एक हफ्ते के भीतर निर्णय लेने के लिए कहा है। बैजल ने अपने पत्र में कहा कि कार्यवाहक गृह मंत्री मनीष सिसोदिया दिल्ली पुलिस के प्रस्ताव से सहमत नहीं हुए जबकि पुलिस ने इसके लिए विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण दिया है। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगों के 85 मामलों में उसकी तरफ से पैरवी करने के लिए छह वरिष्ठ वकीलों को नियुक्त करने और संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ प्रदर्शन के 24 मामले विशेष लोक अभियोजक को सौंपने का प्रस्ताव दिया है। उपराज्यपाल ने कहा कि उन्होंने गृह मंत्री से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने और दिल्ली पुलिस के प्रस्ताव से सहमति जताने का अनुरोध किया था। सूत्रों ने बताया कि मतभेदों को दूर करने के लिए शुक्रवार को बैजल और सिसोदिया के बीच वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक हुई लेकिन मामले का हल नहीं निकाला जा सका।एक सूत्र ने बैजल द्वारा लिखे पत्र के हवाले से कहा, ''चूंकि मतभेद अब भी बना हुआ है तो मैं मुख्यमंत्री से इस मामले को शीघ्रता से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार कानून, 1991 की धारा 45 के तहत जीएनसीटीडी के टीबीआर के 49 नियम के तहत मंत्री परिषद को भेजने का अनुरोध करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अनुरोध किया जाता है कि मंत्रिमंडल का फैसला जल्द से जल्द, संभवतः एक हफ्ते के भीतर बता दिया जाए।'' सूत्रों ने यह भी बताया कि अगर दिल्ली मंत्रिमंडल पुलिस के अनुरोध से सहमत नहीं होता है तो उपराज्यपाल के पास संविधान के अनुच्छेद 239एए(4) के प्रावधानों के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करने का विकल्प होगा। आप सरकार और उपराज्यपाल के बीच फरवरी में उत्तरपूर्वी दिल्ली में साम्प्रदायिक दंगों से जुड़े मुकदमों में पैरवी के लिए 11 विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति को लेकर जून में सबसे पहले टकराव सामने आया था। तब दिल्ली सरकार ने इस मुद्दे पर पुलिस के अनुरोध को खारिज कर दिया था और उपराज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 239एए(4) के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया था। ' सूत्रों ने यह भी बताया कि अगर दिल्ली मंत्रिमंडल पुलिस के अनुरोध से सहमत नहीं होता है तो उपराज्यपाल के पास संविधान के अनुच्छेद 239एए(4) के प्रावधानों के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करने का विकल्प होगा। आप सरकार और उपराज्यपाल के बीच फरवरी में उत्तरपूर्वी दिल्ली में साम्प्रदायिक दंगों से जुड़े मुकदमों में पैरवी के लिए 11 विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति को लेकर जून में सबसे पहले टकराव सामने आया था। तब दिल्ली सरकार ने इस मुद्दे पर पुलिस के अनुरोध को खारिज कर दिया था और उपराज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 239एए(4) के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया था।

संक्षिप्त समाचार

टाइगर के बाद शुरू हुई असली व नकली राजा पर जंग, शाह ने दिग्गी को बताया नकली राजा

खंडवा। मंत्री बने के बाद पहली बार खंडवा पहुंचे प्रदेश के वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह का बीजेपी कार्यलय में पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री विजय शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर जमकर हमला बोला। मंत्री शाह ने दिग्विजय सिंह को नकली राजा तो पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को उद्योगपति बताया। ज्योतिरादित्य सिंधिया को असली राजा बताते हुए सिंधिया की तारीफ की। खंडवा प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के वन मंत्री विजय शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मंत्री शाह ने कहा कमलनाथ सरकार के दो साल में प्रदेश में कोई विकास कार्य नहीं हुए। लेकिन अब जो वादे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किए हम सब मिलकर उसे पूरा करेंगें। मंत्री शाह ने दिग्विजयसिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह कोई राजा नहीं है असली राजा तो ज्योतिरादित्य सिंधिया है।

मां-बेटी आत्मदाह मामला: स्मृति ईरानी पर कांग्रेस का पलटवार, कहा-बेशर्म औरत

यूपी डेस्क। मां-बेटी द्वारा आत्मदाह किए जाने की घटना को लेकर कांग्रेस ने अमेठी की बीजेपी सांसद स्मृति ईरानी पर तीखा पलटवार किया है। यूपी कांग्रेस की सोशल मीडिया विभाग की वाइज चेयरपर्सन पंखुड़ी पाठक ने स्मृति ईरानी को 'बेशर्म औरत' तक कह डाला है। महिलाएं आपका सांसद रहते हुए दिल्ली के शानदार बंगलो में अपना दिन बिताती हैं और आपको नजरअंदाज करती हैं। राज्य में आपकी सरकार ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया, उनकी (पीड़ितों) मदद करना भूल गई! और अब आपकी पुलिस कांग्रेस पर दोष मढ़ रही है।' दरअसल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए स्मृति ईरानी ने ट्वीट में लिखा, 'पहले तो उन्होंने (विपक्ष) जनता का पैसा लूटा और अब अपने सियासी स्वार्थ की पूर्ति के लिए महिलाओं को जिंदा जलाने पर उतर आए हैं। ऐसा केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि वे अमेठी हार गए। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि वे बीजेपी के सामने नहीं टिक सकते।' इस मामले में ईरानी ईरानी ने प्रियंका गांधी को भी नहीं बख्शा। उन्होंने आगे ट्वीट कर कहा, सब इसलिए हो रहा है क्योंकि प्रिंसेस (राजकुमारी) गद्दी पर निशाना साधना चाहती हैं। बता दें कि स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र अमेठी की रहने वाली एक महिला और उसकी बेटी ने शुक्रवार शाम लखनऊ के हजरतगंज इलाके में मुख्यमंत्री कार्यालय लोकभवन के सामने आत्मदाह की कोशिश की। गंभीर रूप से जख्मी महिला का आरोप है कि शिकायत पर कार्रवाई को लेकर वह कई दिनों से पुलिस-थानों का चक्कर लगा रही है, लेकिन उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

जवानों का हौसला बढ़ाने के बाद अमरनाथ यात्रा पर राजनाथ सिंह, बाबा बर्फानी के किए दर्शन

नेशनल डेस्क। चीन के साथ जारी सीमा विवाद के बीच देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लेह लद्दाख दौरे पर हैं। सैनिकों का हौसला बढ़ाने के साथ साथ उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा हालात की विस्तृत समीक्षा की। अपने इस दौरे के दौरान रक्षा मंत्री ने आज अमरनाथ में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार राजनाथ सिंह अमरनाथ यात्रा के बाद दोपहर तक दिल्ली लौट आएंगे। बता दें कि जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों को अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने के लिये आतंकवादियों के साजिश रचने के बारे में खुफिया सूचना मिली है। हालाकि थल सेना के एक अधिकारी ने कहा कि हम अमरनाथ यात्रा बगैर किसी विघ्न के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिये प्रतिबद्ध हैं और सुरक्षा स्थिति नियंत्रण में बनी रहेगी। वहीं रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ जम्मू कश्मीर के संपूर्ण सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा करते हुए सुरक्षाबलों को पाकिस्तान के किसी भी 'दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने को कहा था। इसके साथ ही उन्होंने सशस्त्रबलों से पाकिस्तान से लगती नियंत्रण रेखा पर कड़ी चौकसी बरतने को भी कहा। राजनाथ सिंह ने सभी से नियंत्रण रेखा और अंदरूनी क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कठिन परिश्रम करने की अपील की । उन्होंने कोर कमांडरों से नियंत्रण रेखा पर कड़ी चौकसी बनाए रखने तथा दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार रहने को कहा।

अयोध्याः भव्य राम मंदिर में 3 की जगह होंगे 5 गुम्बद, भूमि पूजन की तिथि हुई घोषित

अयोध्या।

विश्वभर की राम भक्तों की प्रतीक्षा की घड़ी अब समाप्त हो गई है। श्री राम जन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला स्थल पर भव्य श्री राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन की तिथि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों ने 3 अगस्त या 5 अगस्त की तिथि लगभग तय हो गयी है। भूमि पूजन के लिए ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रण पहले ही भेजा जा चुका है। लेकिन पीएमओ की तरफ से इस पर अभी कोई बयान नहीं आया है। अयोध्या जनपद के मुख्यालय पर स्थित सर्किट हाउस में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अध्यक्षता में संपन्न हुए बैठक में विशेष रुप से निर्णय लिया गया कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का मंदिर विश्व में सबसे ऊंचा, आकर्षक और नयनाभिराम बनेगा। साथ ही अब मंदिर में 3 गुम्बद की जगह 5 गुम्बद स्थापित होंगे। बैठक में भूमि पूजन के समय राम भक्तों के समर्पित और प्राप्त सोने-चांदी के ईटों को भी स्थापित करने का निर्णय लिया गया। यही नहीं विश्वभर के राम भक्तों से प्राप्त हो रहे जान स्वरूप धनराशि के खर्च की रूपरेखा भी तय की गई। ट्रस्ट की बैठक में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास, राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मित्र के साथ ट्रस्ट के 12 सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान संघ के सह सरकार्यवाहक कृष्ण गोपाल सहित तीन सदस्य वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। इसके अतिरिक्त राम जन्म भूमि सुरक्षा सलाहकार के.के. शर्मा भी बैठक में शामिल रहे। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि चर्चा की गई थी कि देश के 4 लाख इलाकों में 10 करोड़ परिवारों से संपर्क किया जाएगा। मानसून के बाद और जब मंदिर के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता के लिए स्थिति सामान्य हो जाएगी। स्थिति सामान्य होने के बाद, धन एकत्र किया जाता है और मंदिर के निर्माण के लिए सभी चित्र पूरे होते हैं। हमें लगता है कि 3-3.5 वर्षों के भीतर कब्जे को पूरा किया जाएगा। चंपत राय ने बताया कि आज यह निर्णय लिया गया कि ईंटें सोमपुरा मार्बल्स ईंटों द्वारा प्रदान की जाएंगी। लार्सन एंड टुब्रो अपना काम करेंगे और ईंटों से संबंधित काम सोमपुरा मार्बल्स द्वारा किया जाएगा। साथ में वे एक भव्य मंदिर का निर्माण करेंगे। चंपत राय ने बताया कि लार्सन एंड टुब्रो मिट्टी परीक्षण के लिए नमूने एकत्र कर रहा है।

बीटीपी ने गहलोत सरकार का किया समर्थन, सीएम अशोक गहलोत को सौंपा पत्र

जयपुर।

राजस्थान में भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के दोनों विधायकों ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार को समर्थन देने की सार्वजनिक तौर पर घोषणा की। इन विधायकों ने कहा कि वे अपने पार्टी आलाकमान की अनुमति से अशोक गहलोत सरकार के समर्थन में हैं। राज्य के मौजूदा राजनीतिक संकट के बीच इन विधायकों ने पहली बार खुलकर यह बात कही है। बीटीपी के विधायकों-- राजकुमार रोत एवं रामप्रसाद ने यहां कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। इन विधायकों ने कहा कि उनके पार्टी अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार को सशर्त समर्थन देने पर सहमति जताई है। विधायकों के अनुसार शर्त यही है कि उनके विधानसभा क्षेत्रों में विकास संबंधी उनकी मांगों को पूरा किया जाएगा। बीटीपी के विधायक एवं प्रदेश पदाधिकारी बाद में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भी मिले। गहलोत ने ट्वीट किया,''बीटीपी के दोनों विधायकों ने उनकी प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ मुलाक़ात कर और अपने मांगपत्र के साथ चर्चा कर सरकार को समर्थन देने की घोषणा की। डोटासरा ने कहा, ''बीटीपी विधायक एवं उनके पार्टी नेताओं की मुख्यमंत्री से चर्चा हुई। वे पहले से ही हमारे साथ हैं और गहलोत सरकार को समर्थन का पुनः भरोसा दिया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को रोत का एक वीडियो गत यहां वायरल हुआ जिसमें वह आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र में नहीं जाने दे रही। इससे पहले पार्टी ने एक व्हिप जारी कर अपने विधायकों से कहा था कि वे राज्य के मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम में तटस्थ रहें और विधानसभा में शक्ति परीक्षण की नौबत आती है तो वे न तो भाजपा और न ही कांग्रेस का समर्थन करें। इस बारे में रोत ने कहा कि पुलिस की गलतफहमी के कारण उक्त घटना हुई। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता उनके दिमाग में क्या था लेकिन उन्होंने कहा कि यह गलतफहमी से हुआ। अब सब ठीक है। व्हिप के बारे में रोत ने कहा कि वह पहले जारी की गई थी लेकिन अब पार्टी सरकार का समर्थन कर रही है।

पायलट-गहलोत के आपसी कलह पर वसुंधरा राजे ने तोड़ी चुप्पी, बोली- कभी तो जनता का सोचिए

नेशनल डेस्क।

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह भाजपा नेतृत्व पर दोष लगाने का प्रयास कर रही है। राजस्थान की मौजूदा राजनीतिक रस्साकशी के बीच राजे का यह पहला बयान है। यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि ऑडियो टेप प्रकरण को लेकर हंगामा मचा हुआ है। राजे ने ट्वीट किया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस की आंतरिक कलह का नुकसान राजस्थान की जनता को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से 500 से अधिक मौत हो चुकी है और करीब 26000 लोग संक्रमित मिल चुके हैं ... जब टिड्डी हमारे किसानों के खेतों पर लगातार हमले कर रही है... ऐसे समय में जब महिलाओं के खिलाफ अपराध ने सीमाएं लांघ दी हैं, ऐसे समय में कांग्रेस भाजपा और भाजपा नेतृत्व पर दोष लगाने का प्रयास कर रही है। राजे ने आगे लिखा कि सरकार के लिए सिर्फ और सिर्फ जनता का हित सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कभी तो जनता के बारे में सोचिए। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने एक ऑडियो टेप का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को गिरफ्तार करने की मांग की है और आरोप लगाया है कि वे पार्टी के बागी विधायक भंवरलाल शर्मा के साथ मिलकर अशोक गहलोत सरकार को गिराने की साजिश में शामिल हैं। हालांकि शेखावत ने कहा है कि ऑडियो में उनकी आवाज नहीं है और वे किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। शर्मा और भाजपा ने इस ऑडियो को फर्जी बताया है।

मायावती ने राजस्थान में राष्ट्रपति शासन की मांग की, कांग्रेस बोली- मजबूर हैं बसपा प्रमुख

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने राजस्थान में चल रही सियासी उठा-पठक के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला और कहा कि राज्यपाल कलराज मिश्र को राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करनी चाहिए। इस पर पलटवार करते कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि मायावती 'मजबूर हैं और अपनी 'मजबूरियों के चलते वह बार-बार कांग्रेस विरोधी टिप्पणियां करती हैं। मायावती ने कुछ महीने पहले अपनी पार्टी के विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने का उल्लेख करते हुए गहलोत पर जम कर निशाना साधा और दावा किया राजस्थान के मुख्यमंत्री ने पहले बसपा के विधायकों को 'दगाबाजी करके कांग्रेस में शामिल कराया और अब फोन टैपिंग करा कर असंवैधानिक काम किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बढ़ता मुकाबला

भारत में कोरोना संक्रमण ने एक ऐसे मुकाम को पार कर लिया, जिसकी शुरू में न कल्पना थी और न आशंका। विकासशील भारत की बात छोड़ दीजिए, विकसित अमेरिका ने भी यह नहीं सोचा था कि कोरोना प्रजाति का सबसे कमजोर वायरस इतना कहर बरपाएगा। सार्स और मर्स, ज्यादा खतरनाक वायरस थे, अपना कहर बरपाकर शांत पड़ गए, लेकिन कोविड-19 नाम का यह कमजोर वायरस छह महीने से आतंक मचाए हुए है और खतरनाक बात यह कि निरंतर बढ़त पर है। आज भारत 10 लाख संक्रमण के पार पहुंच गया है, तो अमेरिका 37 लाख संक्रमण के साथ टॉप पर है। चिंता बढ़ रही है, क्योंकि अमेरिका में जहां प्रतिदिन 70 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं, वहीं भारत में अब रोज 30 हजार से अधिक मरीज मिल रहे हैं। बढ़त की जो दशा है, उससे लगता है, एक सीमा पर जाकर अमेरिका में संक्रमण की रफ्तार घटेगी, जबकि भारत में हमें इंतजार करना होगा। हमें ज्यादा सचेत इसलिए भी रहना चाहिए, क्योंकि हमारी आबादी अमेरिका से चार गुना ज्यादा है। हमें याद करना चाहिए, कोरोना की शुरुआत में भारत से बड़ी उम्मीद संबंधी बयान भी आए थे। कोरोना संक्रमण में तब हम करीब 50 देशों से पीछे थे, लेकिन अब हम तीसरे स्थान पर हैं और अपनी आबादी के बड़े आकार को देखते हुए कहां पहुंच सकते हैं, यह हमें ईमानदारी से सोचना चाहिए। आबादी जहां मजबूती होती है, वहीं वह कई खामियां और खतरे भी लाती है। आज हम एक ऐसे ही खतरे के रूबरू हैं और कोई शक नहीं, मुकाबला हम जीत सकते हैं। हमें अपना पूरा ध्यान बचाव पर लगाना होगा। पूरे देश को रक्षात्मक मुद्रा में आना होगा। अब इसमें कोई संदेह शेष नहीं कि हमारी लापरवाही और उदासीनता हमें यहां तक ले आई है। शुरू में संकट की गंभीरता को न समझना, पर्याप्त कोरोना जांच का न होना और अनेक मरीजों द्वारा संक्रमण छिपाना आज भारी पड़ रहा है। अब 25,000 ज्यादा देशवासियों की जान गंवाने के बाद हमें इस संकट की भयावहता को ठीक से समझ लेना चाहिए। जो लोग अभी भी इस खतरे को हल्के में ले रहे हैं, उन्हें कोरोना से लड़ाई में शहीद हुए डॉक्टरों के बारे में सोच लेना चाहिए। 100 से ज्यादा डॉक्टरों ने क्या खुद को बचाने में कोई कसर छोड़ रखी होगी? अब हर एक नागरिक को हर मौके पर देखना होगा कि वह कोरोना के सेतु को बढ़ा रहा है या फिर उसे तोड़ने के लिए चौकस है। मास्क नाक-मुंह पर कसी हुई है या नीचे सरक आई है? क्या वाकई हम परस्पर शारीरिक दूरी बनाए रख पा रहे हैं? जिन राज्यों ने कोरोना संबंधी बचाव के कड़े नियम बना रखे हैं, क्या वहां उनकी पालना पूरी मुस्तैदी से हो रही है? क्या प्रशासन ने कड़ाई करके यह संदेश जन-जन तक पहुंचा दिया है कि दिशा-निर्देशों की पालना न करने वालों की खैर नहीं? यह सुनिश्चित करना होगा कि देश में कहीं भी भीड़ की जरूरत न पड़े और कामकाज भी सतत चलता रहे। ऐसे में, सरकारी और निजी कार्यालयों में कामकाज व सेवा सुधार को प्राथमिकता देने की जरूरत है, ताकि लोगों के काम एक बार में हो जाएं। क्या अस्पतालों में सेवा का स्तर सुधरा है? क्या सेवा पाने के लिए पहले की तरह ही जद्दोजहद जारी है? तय मानिए, अनुशासन, जीवन शैली और कामकाजी कौशल सुधर जाए, तो कोरोना से मुकाबला आसान हो जाएगा।

सोनिया कांग्रेस में हाशिये पर टीम-राहुल

राजकुमार सिंह

राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार बच पायेगी या नहीं—इस सवाल का जवाब तो समय ही देगा, लेकिन ज्योतिरादित्य सिंधिया के बाद सचिन पायलट की बगावत ने कांग्रेस आलाकमान और उसकी रीति-नीति को ही कठघरे में खड़ा कर दिया है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिराने में भाजपा ने भले ही निर्णायक भूमिका निभायी हो, पर सच यही है कि उसकी जमीन कांग्रेस के अंतर्कलह और ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत ने ही तैयार की। कुछ-कुछ वैसा ही राजस्थान में हो रहा है। हां, विधानसभा में संख्या गणित और बहुमत के आंकड़े के मद्देनजर खेल लंबा खिंच सकता है। संभव है कि मध्य प्रदेश वाला परिणाम न भी निकल पाये, पर कांग्रेस भी गलतियों से कोई सबक सीखने को तैयार नहीं दिखती, वरना चंद महीने के अंतराल में ही उसकी एक और राज्य सरकार का भविष्य अपने ही अंतर्कलह से दांव पर नहीं लग जाता। 10 साल की केंद्रीय सत्ता वर्ष 2014 में गंवा कर लोकसभा में महज 44 सीटों पर सिमट जाने वाली कांग्रेस ने जिस तरह वर्ष 2018 के आखिर में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सत्ता अजेय समझी जा रही भाजपा से छीनी, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। जैसा कि आलाकमान केंद्रित वर्तमान दरबारी राजनीति में होता है, उस अप्रत्याशित चुनावी सफलता का श्रेय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को दिया गया। जमीनी राजनीति पर नजर रखने वाले जानते हैं कि उन चौंकाने वाले चुनाव परिणामों में भाजपा की राज्य सरकारों के विरुद्ध सत्ता विरोधी भावना के अलावा कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की सक्रियता ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सचिन पायलट ने राजस्थान और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस को पराजय के अवसाद से निकाल कर सत्ता सिंहासन तक पहुंचाने में जो भूमिका निभायी थी, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि दोनों ही राज्यों में इन युवाओं के मुकाबले ज्यादा वरिष्ठ और अनुभवी नेता भी कांग्रेस की अगली कतार में थे। बेशक इनके अगुआ रहते हुए ही राज्यों में कांग्रेस की लुटिया डूबी थी। फिर भी चुनाव परिणाम आते ही सत्ता स्वयंवर के लिए इन वरिष्ठ नेताओं ने खुद को आगे कर दिया। हालांकि कांग्रेस की कमान उस समय उन राहुल गांधी के ही हाथों में थी, जिनकी टीम का सदस्य ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट सरीखे युवा नेताओं को माना जाता रहा है, लेकिन सत्ता के खेल में बाजी कमलनाथ और अशोक गहलोत जैसे उम्रदराज नेताओं के हाथ रही। कई बार मुख्यमंत्री और केंद्र में भी मंत्री रह चुके गहलोत को कांग्रेसी दिग्गजों से करीबी का लाभ मिला तो कमलनाथ को बतौर कोषाध्यक्ष अपनी उपयोगिता के साथ ही दिग्विजय सिंह का सहयोग भी मिला, जो किसी भी कीमत पर सिंधिया का रास्ता रोकना चाहते थे। हां, घूम-घूम कर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को फिर से खड़ी करने वाले भूपेश बघेल के समक्ष ऐसी कोई चुनौती नहीं थी, जो मुख्यमंत्री के रूप में उनकी ताजपोशी रोक पाती। सिंधिया ने तो एक सीमा से ज्यादा कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने का विरोध नहीं किया, लेकिन सचिन आसानी से नहीं माने। नतीजतन आलाकमान को उन्हें प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए ही उपमुख्यमंत्री भी बनाना पड़ा। राजस्थान में पिछले लगभग डेढ़ साल में सब कुछ सामान्य चला, ऐसा तो नहीं माना जा सकता, लेकिन ताजा संकट के लिए सचिन की महत्वाकांक्षा से कम जिम्मेदार गहलोत के दांवपेच भी नहीं हैं। किसी राज्य की पुलिस अपने ही उपमुख्यमंत्री को देशद्रोह और सरकार गिराने की साजिश के आरोप में पूछताछ के लिए नोटिस जारी करे, यह सामान्य बात तो नहीं है। गृह विभाग गहलोत के ही पास है, तो यह समझना भी मुश्किल नहीं होना चाहिए कि यह सब उनके ही इशारे पर हुआ होगा। एक क्षण के लिए मान भी लें कि मध्य प्रदेश में सिंधिया की तरह राजस्थान में सचिन भी भाजपा के संपर्क में थे, तब भी क्या गहलोत ने इस मामले में कांग्रेस आलाकमान को विश्वास में लिया? कांग्रेस आलाकमान की शुरुआती प्रतिक्रिया और बाद का घटनाक्रम यही संकेत देता है कि गहलोत ने ही सचिन को राजनीतिक रूप से निपटाने की पहल की। सत्ता की राजनीति बहुत निर्मम होती है। गहलोत जानते हैं कि राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में अगर कोई उनके लिए खतरा है तो वह सचिन पायलट ही हैं। सचिन की लोकसभा सीट से अपने बेटे वैभव के हार जाने का ठीकरा भी वह उनके ही सिर फोड़ते हैं। हालांकि राज्य की सत्ता पाने के चंद महीने बाद ही हुए लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश और राजस्थान में हुई कांग्रेस की दुर्गति के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदारी-जवाबदेही अगर किसी की बनती है तो वे मुख्यमंत्री क्रमशः कमलनाथ और अशोक गहलोत ही हैं। फिर भी अगर ये दोनों कांग्रेस में अपने प्रतिद्वंद्वियों को ही जिम्मेदार ठहराते रहे तो आलाकमान को पूछना चाहिए था कि अगर बिना सत्ता के भी वे इतने असरदार हैं तब तो उन्हें ही सत्ता में होना चाहिए, पर पराजय के कारणों का ऐसा पोस्टमार्टम करने के बजाय राहुल गांधी तो खुद ही मैदान छोड़ गये। किसी भी मुकाबले में हार-जीत एक ही सिक्के के दो पहलू होते हैं। ऐसा कौन-सा राजनीतिक दल है, जो चुनाव नहीं हारा? देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस को आपातकाल के विरुद्ध आक्रोश और नफरत के चलते मतदाताओं ने 1977 में बुरी तरह नकार दिया था, तो अब खुद को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताने वाली भाजपा 1984 में मात्र दो लोकसभा सीटों पर सिमट गयी थी। क्या ये दो उदाहरण ही यह बताने के लिए पर्याप्त नहीं होने चाहिए कि राजनीति असीमित संभावनाओं का खेल है, जिसमें कभी भी कुछ भी हो सकता है, बशर्ते आप मन से न हार जायें। दरअसल कांग्रेस के वर्तमान संकट की शुरुआत राहुल गांधी के पलायन से होती है। लगातार दूसरे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के शर्मनाक प्रदर्शन के बाद जब उन्हें राजनीतिक परिपक्वता दिखाते हुए लंबे संघर्ष की रणनीति बनाकर पार्टीजनों का मनोबल बढ़ाना चाहिए था, वह खुद मैदान छोड़ गये। राहुल के कांग्रेस अध्यक्ष बनने से पहले ही कांग्रेस में युवाओं की 'टीम-राहुल' बनने लगी थी। बेशक उसमें ज्यादातर वंशवाद के सहारे ही राजनीति में आये युवा थे, और हैं, लेकिन सिंधिया और सचिन की तरह उनमें से कई ने खुद को साबित भी किया है। सोनिया की जगह राहुल की ताजपोशी को जब कांग्रेस में नेतृत्व के साथ ही पीढ़ी परिवर्तन के रूप में देखा गया तो इन युवाओं को भी उम्मीद जगी कि उन्हें आगे आने का मौका मिलेगा। बेशक मध्य प्रदेश में सिंधिया और राजस्थान में सचिन के कम उम्र में ही प्रदेश अध्यक्ष बनने से ऐसा होता भी दिखा, लेकिन जब बात सत्ता की आयी तो राहुल अपनी टीम का मजबूती से साथ नहीं दे पाये, और पुराने खिलाड़ी साम-दाम-दंड-भेद से बाजी मार ले गये। राहुल के अध्यक्ष पद से इस्तीफे और सोनिया द्वारा फिर कमान संभाल लेने के बाद तो टीम-राहुल को हाशिये पर धकेलने का खेल ही शुरू हो गया लगता है। राजनीति की सामान्य समझ रखने वाला भी बता सकता है कि मध्य प्रदेश की राजनीति में कमलनाथ-दिग्विजय सिंह नहीं, सिंधिया कांग्रेस का भविष्य हो सकते थे। यही बात उम्रदराज गहलोत और युवा सचिन पर भी लागू होती है। क्या इन दोनों प्रदेशों में अब कोई ऐसा नेता है, जिसमें कांग्रेस अपना भविष्य देख सकती हो? सिंधिया, और अब सचिन प्रकरण पर कांग्रेस के ही दूसरे प्रदेशों के युवा नेताओं की प्रतिक्रिया बताती है कि टीम-राहुल को हाशिये पर धकेलने का खेल समझ से परे नहीं है। फिर भी सोनिया और फिर से अपनी ताजपोशी की मांग के बीच राहुल भी, इसे नहीं समझना चाहते तो मान लेना चाहिए कि अतीतजीवी कांग्रेस खुद भविष्य के प्रति सचेत नहीं है।

आज के ट्वीट

इतिहास

क्रान्तिकारियों में भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव को एक साथ फांसी हुई थी लेकिन महाराष्ट्र मे 8वी कक्षा की 'बालभारती' किताब में पढ़ाया जा रहा है कि कुर्बान हुसैन को भगत सिंह और राजगुरु के साथ लाहौर घटना के बाद फाँसी सुनाई गई थी। भारत का इतिहास बस ऐसे ही बदला गया है। -- अर्णव गोस्वामी

ज्ञान गंगा

पात्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता गैर-जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल सम्पत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतर कर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय-विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धांत लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्थ्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरुषों को देख-सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरुषार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूर्ति नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगे ही वे साधक पर बरसती हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। अंधकार की दिशा में बढ़ने पर छाया आगे आ जाती है, उसे पकड़ने का प्रयत्न करने पर भी वे पकड़ में नहीं आतीं। इसी प्रकार अर्थात् दिव्यता की ओर-श्रेष्ठता की ओर परमात्म पथ की ओर बढ़ने पर छाया अर्थात् ऋद्धि-सिद्धियां साधक के पीछे-पीछे चलने लगती हैं। दिव्यता की ओर बढ़ने का अर्थ है-अपने गुण, कर्म, स्वभाव को इतना परिष्कृत, परिमार्जित कर लेना कि आचरण में देवत्व प्रकट होने लगे। इच्छाएं, आकांक्षाएं देवस्तर की बन जाएं। आत्म विकास की इस स्थिति पर पहुंचे हुए साधक की, ऋद्धियां-सिद्धियां सहचरी बन जाती हैं। पर इन अलौकिक विभूतियों को प्राप्त करने के बाद वे उनका प्रयोग कभी भी अपने लिए अथवा संकीर्ण स्वार्थों के लिए नहीं करते। संसार के कल्याण के लिए ही वे उन शक्तियों का सदुपयोग करते हैं।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

आंकड़ों में दर्ज नहीं जो मानवीय क्षति

सरस्वती रमेश

कोरोना और लॉकडाउन ने लोगों से बहुत कुछ छीन लिया। भविष्य में जब इस महामारी की बात होगी तो वह मौत के आंकड़े, आर्थिक मंदी और लॉकडाउन में सिमट कर रह जाएगी। इनसे इतर कोरोना के दुष्प्रभाव का कोई सिस्टेमिक आकलन नहीं मिलेगा। जबकि निजी क्षति और भावनात्मक नुकसान ऐसे नुकसान हैं, जिनमें आदमी ताउम्र घुल-घुल कर मरता है। निजी स्तर पर कोरोना का कई तरह से असर रहा। लोग बेरोजगार हुए या आमदनी घट गयी। कितने लोग बेरोजगार हुए, यह आंकड़ा देने मात्र से बेरोजगार हुए व्यक्ति की वेदना को नहीं समझा जा सकता। लेकिन हमारे शोध का जो तरीका है वह महज सैंपल डाटा पर आधारित होता है। त्रासदी में हुई प्रत्यक्ष हानि तो गिनी जाती है मगर परोक्ष को छोड़ दिया जाता है। मसलन डिप्रेशन में की गई आत्महत्या इसी परोक्ष प्रभाव का हिस्सा है। इन परोक्ष प्रभावों का उपचार आमतौर पर सरकारी प्रयासों की लिस्ट में नहीं होता। यदि मानसिक बीमारियों के लिए उपचार की व्यवस्था है तो डिजास्टर मैनेजमेंट सिर्फ भौतिक राहत तक ही क्यों सीमित है। इसमें भावनात्मक और निजी बर्बादी को शामिल कर उसे दूर करने के उपाय भी किये जाने की दरकार है। इसके लिए हमारे सरकारी तंत्र को संवेदनशील बनने की जरूरत है। व्यक्तिगत क्षति की विकरालता को कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है। मेरे पड़ोस की महिला के पति सदर बाजार की किसी दुकान में काम करते थे। तनख्वाह यही कोई पंद्रह हजार। पूनम के तीन बच्चे हैं। बड़ी लड़की ने हाल ही में 12वीं पास की है। पति को शुगर था तो वो अक्सर बीमार पड़ जाते थे। बीमारी बढ़ती देख पूनम भी किसी कम्पनी में लग गई। सैलरी छह हजार। बेटी भी डेटा एंट्री करने लगी। इसी साल होली के दिन उनके पति की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। सरकारी अस्पताल में उनकी मौत हो गई। अभी चिता की आग ठीक से ठंडी भी नहीं हुई थी कि लॉकडाउन शुरू हो गया। बेटी जिस कंपनी में काम करती थी, वह फर्जी निकली। सबकी दो-तीन महीने की सैलरी लेकर फरार हो गई। इधर पड़ोसी महिला का काम भी बंद हो गया। वह यहां पिछले दो दशक से किराए पर रहती है। उसका राशन कार्ड भी नहीं है। अब उसके सामने क्या रास्ता बचता है? भूख से मरे या अपने बच्चों सहित खुदकुशी कर ले? कुछ ऐसी ही त्रासद कहानी है एक युवक की। गुरुग्राम की एक कंपनी में काम करता था। ज्यादा पढ़ा नहीं था। फिर भी ठीकठाक कमाता था। बचत के पैसों से उसने पिछले साल घर खरीद लिया। 10 लाख कैश में दिया, 20 लाख लोन करा लिया। अभी 6 महीने भी नहीं बीते थे कि कोरोना के चलते लॉकडाउन आ गया। कंपनी ने एक महीना बैठाकर सैलरी दी। दूसरे महीने जवाब दे दिया। युवक आजकल डिप्रेशन में है। पत्नी गांव की है। शहर के रहन-सहन से एकदम दूर। दो बच्चे भी हैं जो नर्सरी और सेकेंड में पढ़ते हैं। युवक ने अपनी बचत के सारे पैसे लोन चुकाने में पहले ही दे दिए हैं। अब उसे अपनी रोटी की चिंता करनी चाहिए या पिछले 10 साल से पाई पाई जोड़कर खरीदे गए घर की। ये तो हुई आर्थिक क्षति से उपजी अवसाद की स्थिति। इससे इतर भी एक क्षति हुई है। हमारी संवेदनाओं की क्षति। राम प्रकाश पटवा मुम्बई में अपने तीन बेटों के साथ रहते थे। पत्नी को गुजरे जमाना हो गया था। राम प्रकाश ने ही अपने तीनों बच्चों को मां बन कर पाला। बच्चे बड़े हुए तो सबने अपना-अपना कारोबार खड़ा कर लिया। पिता ने उनकी हर मुमकिन सहायता की। अब वो बूढ़े हो चले थे। यही कोई 65-70 के बीच थी उनकी उम्र। लॉकडाउन के दौरान एक दिन उनकी तबीयत खराब हो गई। सांस लेने में दिक्कत और घबराहट। रात के दस बज चुके थे। मझला बेटा उन्हें प्राइवेट हॉस्पिटल लेकर गया। डॉक्टरों ने कहा सुबह पहले कोरोना का टेस्ट करेंगे तभी इलाज शुरू होगा। बेटे ने किसी तरह पिता को भर्ती तो करा दिया मगर कोरोना का खौफ ऐसा कि खुद बेटा एक रात के लिए पिता के पास न ठहर सका। वह घर लौट आया। सुबह हॉस्पिटल से फोन पहुंचा, आपके पिता जी नहीं रहे। पता नहीं बेटे को पिता के पास न ठहरने की आत्मग्लानि हुई या नहीं लेकिन मरते वक्त पिता को अपनी औलाद पर जरूर आत्मग्लानि हुई होगी। पिता की संदिग्ध मौत के कारण कोई उनको कंधा देने के लिए भी तैयार न हुआ। स्वयं बेटे भी मन से तैयार न थे। ये सवाल जरूर पूछा जाना चाहिए कि यदि पिता की जगह उनका बच्चा हॉस्पिटल में होता तो क्या तब भी वो कोरोना के खौफ से उसे अकेला छोड़ आते।

और भी हजारों किस्से हैं, जिसमें प्रियजनों को आखिरी बार देखने व अंतिम संस्कार तक करने के लिए परिवार तरसता रहा। ये वो किस्से हैं जो बताते हैं इतिहास के ब्योरे इनसान की वेदनाओं के आगे कितने बौने होते हैं।

सुधरने लगे हैं हालात, जून के महीने में एफएमसीजी सेक्टर में आई शानदार रिकवरी

बिजनेस डेस्क। एक लंबे असरे के बाद भारतीय एफएमसीजी इंडस्ट्री में हालात सुधरने लगे हैं। एफएमसीजी सेक्टर पर लॉकडाउन का बहुत बुरा असर पड़ा था लेकिन जून के महीने में इसमें शानदार रिकवरी देखने को मिली है। ये रिकवरी ग्रामीण मांग और किराना स्टोर के परंपरागत तरीके से सामान बेचने से आई है। मार्केट रिसर्च कंपनी नील्सन के मुताबिक जून महीने में सेल्स कोरोना से पहले की स्थिति के काफी करीब आ गई। ये रिकवरी घर में खाना बनाने के ट्रेंड, पैकेजिंग वाले आटे, खाने के तेल, साबुन, फर्श साफ करने वाला लिक्विट, ब्यूटी प्रोडक्ट, डिओ आदि के जरिए आई। टूथपेस्ट, शैम्पू और सिर में लगाने के तेल की सेल्स में भी जून में तगड़ी रिकवरी हुई, जो लॉकडाउन के दौरान गिर गई थी। जून महीने में वॉशिंग पाउडर और कपड़े धोने के साबुन में भी शानदार रिकवरी देखने को मिली। इतना ही नहीं, लिक्विड सोप, च्यवनप्राश और हाईजीन और इम्युनिटी से जुड़े कुछ प्रोडक्ट्स में जून महीने में उम्मीद से भी अधिक ग्रोथ देखने को मिली। च्यवनप्राश की सेल में दिसंबर, जनवरी, फरवरी तीनों महीनों में मिलाकर भी जितनी ग्रोथ नहीं हुई, उतनी अकेले जून में हो गई। जून में च्यवनप्राश की सेल 223 फीसदी बढ़ी है। वहीं लिक्विड सोप में 112 फीसदी और ब्रांडेड हनी में 39 फीसदी की ग्रोथ देखी गई। जनवरी से मई तक भारत के एफएमसीजी सेक्टर में 8 फीसदी की निगेटिव ग्रोथ देखने को मिली। जबकि चीन में एफएमसीजी सेक्टर 5 फीसदी की दर से बढ़ा है। एक सर्वे ने दिखाया है कि लोग फालतू के खर्चों से बचते दिख रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कोरोना की वजह से लोग स्वास्थ्य और फिटनेस का अधिक ध्यान दे रहे हैं।

भारत ने अमेरिका से कहा, 2प्रतिशत सामान्यीकरण शुल्क भेदभावपूर्ण नहीं

नई दिल्ली। भारत ने विदेशों में रहकर यहां काम करने वाली ई-वाणिज्य कंपनियों पर 2 प्रतिशत सामान्यीकरण शुल्क (इक्वलाइजेशन लेवी) यानी डिजिटल कर लगाए जाने का बचाव किया है। उसने कहा कि इसकी प्रकृति भेदभावपूर्ण नहीं है और इसका मकसद उन कंपनियों पर कर लगाना है जिनका डिजिटल परिचालन के जरिए देश के बाजार के साथ गहरा संबंध हैं । अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि को दिए छह पृष्ठ के जवाब में भारत ने कहा कि शुल्क केवल उन्हीं कंपनियों पर लागू होती है जिनकी सालाना आय 2 करोड़ रुपए (करीब 2,67,000 डॉलर) से अधिक है। इस सीमा का कारण छोटी ई-वाणिज्य कंपनियों को इससे छूट देना है। भारत ने कहा, ''यह अमेरिका की कंपनियों के खिलाफ भेदभाव नहीं करता क्योंकि यह समान रूप से उन सभी ई-वाणिज्य परिचालकों पर लगता है जिनका भारत में स्थायी तौर पर प्रतिष्ठान नहीं है। भले ही वे कंपनियां किसी भी देश की हों। अमेरिका ने पिछले महीने व्यापार कानून, 1974 की धारा 301 के तहत उस डिजिटल सेवा कर की जांच शुरू करने का निर्णय किया जिसे भारत समेत कई देश लगाने पर विचार कर रहे हैं या उन्होंने इसे लागू कर दिया है। अमेरिका का मानना है कि यह कर 'अनुचित रूप से उसकी प्रौद्योगिकी कंपनियों को ध्यान में रखकर लगाया गया है। उस समय उसने जांच को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया मांगी थी। भारत ने अपने जवाब में कहा, ''सामान्यीकरण शुल्क का मकसद अमेरिकी या किसी अन्य कंपनी को निशाना बनाना नहीं है। इसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धा, निष्पक्षता, तर्कसंगतता सुनिश्चित करना है। साथ ही इसके जरिये उन कंपनियों पर कर लगाना है जिनका अपने डिजिटल परिचालन के माध्यम से भारत बाजार के साथ गहरा ताल्लुक हैं। इसमें कहा गया है कि भारत इस बारे में अमेरिका के साथ बातचीत को तैयार है।

फियो ने 'गायब' निर्यातकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, कहा-सरकार को पूरा सहयोग करेंगे

नयी दिल्ली।

निर्यातकों के संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजशन (फियो) ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) रिफंड का दावा करने वाले उन निर्यातकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग है, जिन्होंने अपने कारोबार का जो पता दिया है, वे वहां नहीं मिले हैं। ऐसे करीब 1,377 निर्यातकों ने 1,875 करोड़ रुपये के कर रिफंड का दावा किया है। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने शनिवार को कहा कि हम सरकार का पूरा सहयोग करेंगे, क्योंकि इस तरह की गतिविधियों से निर्यातक समुदाय की छवि को आघात पहुंचता है। सर्राफ ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखे पत्र में कहा, ''हम आपसे आग्रह करते हैं कि इन 1,377 गायब निर्यातकों का पूरा ब्योरा वाणिज्य मंत्रालय को उपलब्ध कराया जाए, जिससे उपलब्ध सूचना के आधार पर इसे पुष्ट किया जा सके। यदि उनका पता नहीं चलता है तो विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) को कार्रवाई करनी चाहिए और उनका आयात निर्यात कोड (आईईसी) निलंबित-रद्द करना चाहिए, जिससे वे आगे आयात-निर्यात नहीं कर सकें।'' अधिकारियों के अनुसार 1,377 निर्यातकों ने 1,875 करोड़ रुपये के कर रिफंड का दावा था। सत्यापन की प्रक्रिया में अपने कारोबार के मूल स्थान पर नहीं मिले। प्रक्रिया में अपने कारोबार के मूल स्थान पर नहीं मिले। सरकार ने 7,516 जोखिम वाले निर्यातकों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की है। जोखिम वाले निर्यातकों की जानकारी सीजीएसटी से साझा की जाती है ताकि उनका सत्यापन किया जा सके। जोखिम वाले निर्यातकों को सीमा शुल्क, जीएसटी, आयकर और डीजीएफसी आंकड़ों के आधार पर चिह्नित किया जाता है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ निर्यातकों ने बताया कि उन्हें इस वजह से जोखिम की श्रेणी में रखा गया है क्योंकि उनके आपूर्तिकर्ता या उप-आपूर्तिकर्ता ने जीएसटी जमा नहीं कराया है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि कोई निर्यातक किस हद तक जाकर अपने आपूर्तिकर्ताओं की विश्वसनीयता की जांच कर सकता है।

अमेरिका-भारत में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के लिए करार

वाशिंगटन। अमेरिका और भारत ने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बनाने के लिए एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा दोनों देशों के बीच भारत का भंडार बढ़ाने के लिए अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण करने के लिए बातचीत अग्रिम चरण में है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रधान ने अमेरिका के ऊर्जा मंत्री डैन ब्राउलेट के साथ अमेरिका-भारत रणनीतिक ऊर्जा भागीदारी मंत्रिस्तरीय वर्चुअल बैठक की सह-अध्यक्षता की। प्रधान ने फोन पर संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, ''हमने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार पर सहयोग के लिए एमओयू किया है। हमारी अमेरिका के रणनीति भंडार में कच्चे तेल का भंडारण करने के लिए बातचीत भी अग्रिम चरण में है। इससे भारत का रणनीतिक भंडार बढ़ सकेगा।'' एक सवाल के जवाब में प्रधान ने कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के क्षेत्र में सहयोग के लिए एमओयू अमेरिका के प्रस्ताव पर किया गया है। कोरोना वायरस के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बीच अमेरिका ने यह प्रस्ताव किया था।

बदल गया इनकम टैक्स से जुड़ा फॉर्म, टैक्सपेयर्स को क्या होगा फायदा

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कहा है कि इस आकलन वर्ष से करदाताओं को एक बेहतर फॉर्म 26स् मिलेगा, जो टेक्सपेयर्स की फाइनेंशियल ट्रांसजैक्शन पर ज्यादा डिटेल देगा। ने एक बयान में कहा कि नया फॉर्म 26स् टैक्सपेयर्स के अपने इनकम टैक्स रिटर्न को जल्दी और सही तरीके से ई-फाइल करने में मदद करेगा। आपको बता दें कि सीबीडीटी ने हाल में फॉर्म 26एएस नए संसोधन के साथ अधिसूचित कर दिया। यह आपका सालाना टैक्स स्टेटमेंट है। आप अपने पैन नंबर की मदद से इसे इनकम टैक्स विभाग की वेबसाइट से निकाल सकते हैं। अगर आपने अपनी आमदनी पर टैक्स चुकाया है या आपको हुई कमाई पर किसी व्यक्ति/संस्था ने टैक्स काटा है तो उसका जिक्र भी आपको फॉर्म में मिल जाता है। टैक्स एक्सपर्ट गौरी चड्ढा बताती हैं कि पहले इस फॉर्म को एनुअल टैक्स फॉर्म कहते थे अब इसे एनुअल इन्फोर्मशन फॉर्म कहेंगे। अब इसमें एक टैक्सपेयर्स के सभी फाइनेंशियल की जानकारी होगी। शेयरों की खरीदारी, म्युचूअल फंड में निवेश या फिर प्रॉपर्टी का लेन-देन जैसी सभी जानकारी इसमें होंगी। फॉर्म में न सिर्फ आपके सरकार को चुकाए गए कर की जानकारी होती है, बल्कि अगर आपने अधिक टैक्स चुका दिया है और आप उसका रिफंड फाइल करना चाहते हैं तो इस बारे में भी उसमें जिक्र होता है।

चीनी कंपनी को झटका देगी पॉलिसी बाजार, बोले सीईओ दहिया भारत

बेंगलुरु।

पॉलिसी बाजार के सीईओ यशीश दहिया भारत की तमाम इंटरनेट कंपनियों में से पहले ऐसे सीईओ हैं जो खुलकर चीन के खिलाफ बोलते हैं। दहिया ने कहा कि पड़ोसी देश ने नियम के हिसाब से काम नहीं किए हैं, क्योंकि इसकी इकनॉमी दुनिया के किसी देश के लिए खुली हुई नहीं है, जबकि इसके पास दुनिया भर में बिजनेस करने का मौका है। उन्होंने कहा कि चीन की कंपनी टेनसेंट के पास पॉलिसी बाजार की पैरेंट कंपनी ईटेकएसेस के 10 फीसदी शेयर हैं और अब कंपनी भारत-चीन के बीच तनाव को देखते हुए अपने शेयर वापस खरीदना चाहती है। दहिया ने कहा- मेरा मानना है कि चीन की सरकार ने एक रणनीति के तहत दुनिया भर के बाजारों तक अपनी पहुंच बनाई है लेकिन इसने अपनी इकनॉमी में घुसने की इजाजत किसी को नहीं दी है। उन्होंने पिछले 30 सालों से नियम के तहत काम नहीं किया है और इसी वजह से उन्होंने इतनी सारी संपत्ति बना ली है।

हम उन्हें अपनी कंपनियों, डेटा और रेवेन्यू में हिस्सा क्यों दें। बल्कि अमेरिका, जापान, ब्रिटेन जैसे देशों को दें। उन्होंने सरकार के उस फैसले को भी सही बताया कि चीन से आने वाले निवेशों की स्क्रीनिंग करने की जरूरत है। का गुस्सा झेल रही हैं, क्योंकि उनमें चीनी कंपनियों जैसे एंट फाइनेंशियल और सीट्रिप जैसी कंपनियों का निवेश है। कई अन्य बड़ी कंपनियां जैसी पेटीएम, जोमैटो और मेक माई ट्रिप भी सोशल मीडिया और गूगल प्ले स्टोर पर लोगों का गुस्सा झेल रही है।

क्योंकि उनमें चीनी कंपनियों जैसे एंट फाइनेंशियल और सीट्रिप जैसी कंपनियों का निवेश है। उन्होंने ये भी कहा कि टेंसेंट ने मौजूदा शेयर अमेरिका की टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट से खरीदे हैं, जिसने कंपनी में निवेश किया था। उसने कंपनी में बिजनेस बढ़ाने के लिए निवेश नहीं किया। वह एक अच्छे शेयरहोल्डर रहे हैं, लेकिन अगर वह चाहें तो हम खुशी-खुशी अपने शेयर वापस खरीदना चाहेंगे।

एमएएसएसए ने भारतीय बंदरगाहों पर विदेशी नाविकों को कार्य मुक्त करने अनुमति का स्वागत किया

नयी दिल्ली। वैश्विक सामुद्रिक संस्था एमएएसएसए ने भारत में विदेशी नाविकों को अपने कार्य से मुक्त होने की इजाजत देने के केंद्र सरकार के फैसले की तारीफ की है और कहा कि वे समुद्री यात्रियों के सफर को सविधाजनक बनाएंगे। एमएएसएसए ने शनिवार को कहा कि इस फैसले से दुनिया भर के करीब 12 लाख नाविकों को फायदा होगा, जो अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक व्यापार मार्गों में शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने 17 जुलाई को जहाजरानी मंत्रालय के एक प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय बंदरगाहों से विदेशी नाविकों के प्रत्यावर्तन के लिए एक मानक परिचालन प्रोटोकॉल जारी किया। यह प्रोटोकॉल भारतीय बंदरगाहों पर क्रूज जहाजों के अलावा अन्य जहाजों पर काम करने वाले विदेशी नाविकों के कार्य मुक्त होने की अनुमति देता है। इसके साथ ही इन नाविकों को वंदे भारत अभियान के तहत विशेष उड़ानों से विदेश जाने की अनुमति मिलती है। इसके साथ ही इन नाविकों को वंदे भारत अभियान के तहत विशेष उड़ानों से विदेश जाने की अनुमति मिलती है। एमएएसएसए ने कहा, ''हमारा मानना है कि सरकार द्वारा भारतीय जलपोत कंपनियों के हित में लिया गया एक ऐतिहासिक निर्णय है।''

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 19.6प्रतिशत बढ़कर 6,659 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली।

एचडीएफसी बैंक का चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही का एकल शुद्ध लाभ 19.6 प्रतिशत बढ़कर 6,658.62 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,568.16 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी आय बढ़कर 34,453.28 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 32,361.84 करोड़ रुपए रही थी। संपत्ति के मोर्चे पर बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां 30 जून को समाप्त तिमाही में घटकर 1.36 प्रतिशत रह गईं। मूल्य के हिसाब से बैंक का सकल एनपीए या डूबा कर्ज 13,773.46 करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,768.95 करोड़ रुपए था। करोड़ रुपए रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,768.95 करोड़ रुपए था। इसी तरह बैंक का शुद्ध एनपीए घटकर 0.33 प्रतिशत या 3,279.96 करोड़ रुपए पर आ गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 0.43 प्रतिशत या 3,567.18 करोड़ रुपए था। हालांकि, तिमाही के दौरान बैंक का डूबे कर्ज और अन्य आकस्मिक खर्च के लिए प्रावधान बढ़कर 3,891.52 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,613.66 करोड़ रुपए था। एकीकृत आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़कर 6,927.24 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,676.06 करोड़ रुपए था। तिमाही में बैंक की एकीकृत आय बढ़कर 36,698.59 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो एक साल पहले 34,324.45 करोड़ रुपए रही थी।

बिना वेतन स्वैच्छिक अवकाश ले सकेंगे एयर इंडिया के कर्मचारी

नई दिल्ली। सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने लागत कम करने के लिए कर्मचारियों को बिना वेतन स्वैच्छिक अवकाश का विकल्प दिया है जबकि एयरलाइन की दक्षता प्रभावित करने वाले कुछ कर्मचारियों को बिना वेतन जबरन अवकाश पर भेजा जाएगा। एयरलाइन ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने कर्मचारियों के लिए बिना वेतन अवकाश पर जाने का विकल्प दुबारा शुरू किया है। इसके तहत कर्मचारी छह महीने से दो साल तक के स्वैच्छिक अवकाश पर जा सकते हैं जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है। इस दौरान कर्मचारियों को वेतन और भत्ते नहीं दिए जाएंगे। इसके अलावा ट्रैक रिकॉर्ड, स्वास्थ्य आदि के आधार पर कुछ कर्मचारियों को जबरन बिना वेतन अवकाश पर भेजा जायेगा। इन कर्मचारियों की पहचान काम प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। ऐसे कर्मचारियों को भी छह महीने से दो साल तक के अवकाश पर जाना होगा जिसे पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है।

कोविड-19: गोयल ने देश में चिकित्सा ऑक्सीजन की उपलब्धता, आपूर्ति की समीक्षा की

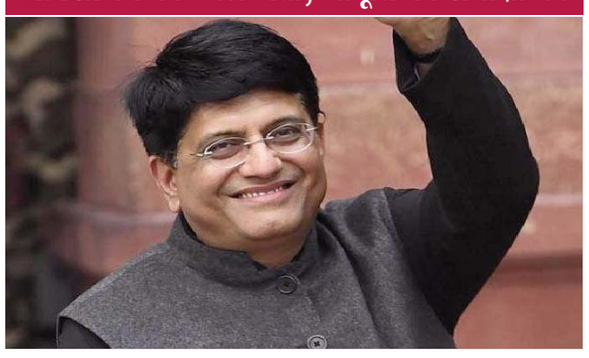

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कोविड-19 महामारी को देखते हुए देश में चिकित्सा ऑक्सीजन की उपलब्धता एवं आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन क्षेत्रों में ऑक्सीजन आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए विशेष ध्यान दें जहां प्रतिकूल मौसम की स्थिति में संपर्क व्यवस्था प्रभावित हो जाती है। यहां जारी आधिकारिक बयान के अनुसार उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों ने बैठक में सूचित किया कि अभी तक चिकित्सा ऑक्सीजन के विनिर्माण, भंडारण, परिवहन तथा आपूर्ति की किसी बड़ी समस्या की कोई रिपोर्ट नहीं है। मंत्री ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपात या मांग में तेज उछाल की स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन क्षेत्रों में ऑक्सीजन आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए विशेष ध्यान दें जहां प्रतिकूल मौसम के कारण संपर्क व्यवस्था प्रभावित हो जाती है।

बयान के अनुसार चिकित्सा ऑक्सीजन का औसतन मासिक उपभोग अप्रैल 2020 में 902 एमटी/प्रति दिन था जो बढ़ कर 15 जुलाई तक 1512 एमटी/प्रति दिन पहुंच गया था। वर्तमान में, 15 हजार एमटी से अधिक का पर्याप्त भंडार है। बयान के अनुसार, ''ऐसा देखा गया कि चिकित्सा ऑक्सीजन के वर्तमान उत्पादन एवं आपूर्ति की समग्र स्थिति, इस महीने के आखिर तक की आवश्यकता के कुल अनुमान की तुलना में सभी राज्यों में संतोषजनक स्तर पर है। ऐसे राज्यों, महानगरों एवं जिलों में जहां कोविड-19 के सक्रिय मामले बड़ी संख्या में हैं, चिकित्सा ऑक्सीजन की उपलब्धता और आपूर्ति पर्याप्त है।

वेटिंग की टेंशन होगी खत्म मिलेगा सिर्फ कन्फर्म टिकट

नई दिल्ली।

ट्रेन में अब वेटिंग टिकट का टेंशन खत्म हो जाएगा। रेलवे जल्द ही सभी को कन्फर्म टिकट देने की तैयारी में है। इसको लेकर चरणबद्ध तरीके से योजना बना ली गई है। बताया जा रहा है कि इसे पूरा होने में तकरीबन 3 साल का समय लगेगा। रेलवे सभी यात्रियों को कन्फर्म टिकट देने के प्लान पर काम कर रही है। जल्द ही इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। रेलवे की कोशिश है कि किसी भी यात्री की टिकट वेटिंग में न जाए। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वीके यादव ने कहा कि 2023 तक हम रेलवे पैसेंजर ट्रेन और फ्रेट ट्रेन को ऑन डिमांड चलाने में सक्षम हो जाएंगे। रेल यात्रियों को दिल्ली-मुंबई रूट पर सबसे पहले कन्फर्म टिकट मिलेगी। इसको लेकर रेलवे ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके बाद दिल्ली-कोलकाता रूट पर ट्रेन टिकट के कन्फर्म होने का इंतजार नहीं करना होगा, क्योंकि रेलवे ने इस रूट पर चलने वाली मालगाड़ियों के लिए अलग से ट्रैक बना रही है। अगले 2 साल में इसके पूरा होने की उम्मीद है।

लिहाजा इस रूट पर आसानी से ट्रेन टिक मिल सकेगी। रेलवे ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान देश-भर में 1.61 लाख रोजगार दिए गए हैं। बोर्ड के चेयरमैन वी के यादव ने एक ऑनलाइन प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'पिछले चार सप्ताह में हमने 1,61,251 श्रम दिवस सृजित किए हैं और 608.87 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह बहुत उत्साहवर्द्धक है और हम इसमें सहयोग देते रहेंगे।' भारत में दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रेल रूट पर सबसे ज्यादा ट्रेनों की भीड़ रहती है, जिसके कारण इन दोनों रूट्स पर चलने वाली ट्रेनें लगातार लेट होती रहती हैं। इसके कारण सबसे ज्यादा परेशानी यात्रियों को होती है। इसीलिए इन रूट्स पर चलने वाली ट्रेनों की स्पीड बढ़ने वाली है। अगले 9 महीने के अंदर दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा के ट्रैक पर चलने वाली सभी ट्रेनें 130 किलोमीटर की स्पीड से दौड़ने लगेंगी। पूरे ट्रैक पर एक ही स्पीड होने के कारण यात्री पहले से कम समय में अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे। जब दिल्ली-मुंबई रूट पर 160 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रेन दौड़ेगी, तो करीब साढ़े तीन घंटे के समय की बचत होगी। दिल्ली-हावड़ा रूट पर करीब 5 घंटे का समय बचेगा। दिल्ली-हावड़ा रूट पर करीब 5 घंटे का समय बचेगा। रेलवे बोर्ड के मुताबिक इन रूटों पर ट्रैक, सिग्नलिंग और कम्युनिकेशन में जो कमियां थी उन्हें दूर किया जा रहा है।

लॉकडाउन में टेलीकॉम कंपनियों ने खोए लाखों ग्राहक, लेकिन जियो ने मारी बाजी

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस महामारी की वजह से सभी उद्योगों को झटका लगा। देश में टेलीकॉम कंपनियां भी इससे काफी प्रभावित हुई है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार, लॉकडाउन के चलते मार्च महीने में टेलीकॉम कंपनियों ने करीब 29 लाख ग्राहक खो दिए हैं। देश में कुल टेलीकॉम सब्सक्राइबर्स की संख्या 117.8 करोड़ रह गई है। जबकि इससे पिछले दो महीनों में यानी जनवरी और फरवरी के दौरान टेलीकॉम सब्सक्राइबर्स की संख्या में 84 लाख की बढ़त हुई थी। मालूम हो कि लॉकडाउन के कारण ट्राई के आंकड़े काफी देर से जारी हुए हैं। एक ओर जहां सभी कंपनियों के ग्राहक घटे हैं, वहीं रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या बढ़ी है। मार्च में रिलायंस जियो के कनेक्शन वाले ग्राहकों की कुल संख्या 45 लाख बढ़कर 38.8 करोड़ तक पहुंच गई। लेकिन भारती एयरटेल को 13 लाख ग्राहकों का नुकसान उठाना पड़ा। इससे पहले लगातार पांच महीनों तक एयरटेल के ग्राहकों की संख्या बढ़ी थी। वोडाफोन आइडिया को मार्च के दौरान 64 लाख ग्राहकों का बड़ा नुकसान हुआ है और इसके ग्राहकों की संख्या 32.55 करोड़ हो गई। वहीं बीएसएनएल के ग्राहकों की संख्या 11.26 करोड़ रह गई। मालूम हो कि पिछले साल के अंत में टेलीकॉम कंपनियों ने अपने टैरिफ बढ़ा दिए थे। रिलायंस जियो ने इसमें 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी। इसके बावजूद जियो के कई ऐसे प्लान हैं, जो भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया से करीब 25 फीसदी तक सस्ते हैं। इसलिए ग्राहक जियो को अपना रहे हैं और इसके सब्सक्राइबर्स बढ़ रहे हैं। मार्च के अंत में केंद्र सरकार ने लॉकडाउन घोषित कर दिया था, जिसका टेलीकॉम कारोबार पर असर पड़ा है। टेलीकॉम सेवाओं से जुड़ी दुकानें बंद थी, जिसकी वजह से लोग नया सिम या कनेक्शन नहीं ले पा रहे थे। वोडाफोन आइडिया की इससे पहले मार्च 2020 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान शुद्ध हानि 73,878 करोड़ रुपए रही। यह किसी भी भारतीय कंपनी को हुई अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक हानि है। भारती एयरटेल को तीसरी तिमाही में 1,035 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था।

वैकल्पिक निजी कृषि बाजारों के साथ एपीएमसी की महत्वपूर्ण भूमिका बनी रहेगी: कृषि मंत्रालय अधिकारी

नयी दिल्ली।

पुरानी एपीएमसी मंडियां नये वैकल्पिक निजी बाजार चैनलों के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेंगी। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र में किये गये हाल के सुधारों के बाद नये निजी बाजार चैनल जल्द ही अस्तित्व में आने जा रहे हैं। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कोविड -19 संकट के मद्देनजर घोषित किये गये 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज के हिस्से के रूप में, सरकार ने पांच जून को कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अध्यादेश, 2020 को लागू किया जो किसानों की ऊपज को राज्य सरकार के अधिसूचित बाजारों के बाहर बाधा मुक्त व्यापार प्रदान करने की सुविधा प्रदान करता है। कृषि मंत्रालय में संयुक्त सचिव, पी के स्वाई ने एसोचेम द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कहा, ''किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य दिलाने, उनकी आय बढ़ाने और फसल कटाई के बाद के नुकसान को कम करने के उद्देश्य से अधिक वैकल्पिक बाजार चैनल बनाते हुए, कृषि बाजारों को अधिक उन्मुक्त बनाने के लिए अध्यादेश लाया गया है।उन्होंने कहा कि देश अब खाद्यान्न की कमी वाले देश की जगह अधिशेष उत्पादन करने वाले देश के रूप में रूपांतरित हुआ है, अब चुनौती यह है कि किसानों की उपज का सही लाभकारी दाम कैसे प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि देश में, गांव के हाट एवं खरीद केन्द्रों के अलावा एपीएमसी (कृषि उत्पाद विपणन समिति) की 10,000 विनियमित मंडियां हैं। लेकिन वर्ष 2003 में उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुधार किये गये थे लेकिन उसके बावजूद इस क्षेत्र में निजी कंपनियां अभी भी कम हैं। स्वाई ने कहा कि वर्तमान सुधार आगे कृषि क्षेत्र को अधिक मुक्त बनाता है और किसानों की उपज के प्रत्यक्ष विपणन और निवेश के लिए विशाल अवसर प्रदान करता है। अधिकारी ने कहा, हम यह नहीं कह रहे हैं कि एपीएमसी खराब हैं। उन्होंने अच्छा काम किया है और अपनी भूमिका निभा रहे हैं। हम केवल वैकल्पिक बाजार चैनल तैयार कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

अगले महीने अमेरिकी महिला एमेच्योर गोल्फ प्रतियोगिता में भाग लेंगी अनिका वर्मा

नई दिल्ली। भारत की उभरती हुई गोल्फ खिलाड़ी अनिका वर्मा 120वें अमेरिकी एमेच्योर चैम्पियनशिप में भाग लेंगी जिसे वुडमोंट कंट्री क्लब में छह से नौ अगस्त तक खेला जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण आयोजकों ने क्वालीफाइंग टूर्नामेंट नहीं कराने का फैसला किया है। सोलह साल की अनिका अभी अमेरिका में है और उन्होंने कहा, 'यूएसजीए ने महिला विश्व एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग (डब्ल्यूजीएआर) की शीर्ष 75 खिलाड़ियों को चैम्पियनशिप में छूट प्रदान की है। उन्होंने कहा, 'मुझे भी टूर्नामेंट में भाग लेने की छूट मिली है। अमेरिका के रोजविले के ग्रानिट बे स्कूल में हाई स्कूल की छात्रा ने कहा, 'महामारी के दौरान एक 16 वर्षीय की छात्रा के रूप में मैं हाई स्कूल के साथ-साथ गोल्फ में बहुत कुछ नहीं कर पायी। कोविड-19 ने निश्चित रूप से इस साल मेरे गोल्फ सत्र को प्रभावित किया है। इस वर्ष की शुरुआत महिलाओं के एमेच्योर एशिया पैसिफिक से अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी गई।

शतरंज

विश्व नंबर 1 चीन की हाउ इफान को हराकर कोनेरु हम्पी फीडे महिला ग्रां प्री के फाइनल मे

मॉस्को ,रूस ।

भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी और चीन की विश्व नंबर 1 हाउ इफ़ान के बीच हुए बहुप्रतीक्षित मुक़ाबला कोनेरु हम्पी के पक्ष में खत्म हुआ । बड़ी बात यह रही है दोनों के बीच हुए सभी 11 मैच के परिणाम निकले मतलब एक भी मैच ड्रॉ नहीं हुआ और अगर इस पूरी ऑनलाइन ग्रां प्री के इतिहास को देखे तो अब तक ऐसा कभी नहीं हुआ था । कोनेरु हम्पी नें अपने धैर्य का परिचय देते हुए हाउ ईफ़ान को मात दी । अंतिम स्कोर 6-5 से कोनेरु हम्पी के हक में रहा और अब देखना होगा की क्या हम्पी फाइनल में भी जीत दर्ज कर खिताब हासिल कर पाएँगी । सबसे पहले दोनों के बीच 5+1 मिनट टाइम में तीन मुक़ाबले खेले गए जिसमें हम्पी नें पहला मैच तो जीता पर उसके बाद दो मैच जीतकर ईफ़ान नें 2-1 से बढ़त बना ली। 2-1 से पीछे चल रही कोनेरु नें 3+1 मिनट के चार मुकाबलों में जोरदार वापसी की और 3 मुक़ाबले जीते जबकि एक हार के साथ स्कोर 4-3 कर दिया। देखे हम्पी की सबसे खास जीत का विडियो विश्लेषण - हिन्दी चेसबेस इंडिया के सौजन्य से इसके बाद बारी में 5-4 कर लिया और बारी हाउ इफ़ान की थी और उन्होने 1+1 मिनट बुलेट के पहले दो मुक़ाबले जीतकर स्कोर फिर से अपने पक्ष में 5-4 कर लिया और लगा की हम्पी फाइनल नहीं पहुँच पाएँगी पर हम्पी इस बार अलग मूड में थी और एक बार फिर तनाव के क्षणो में खुद पर नियंत्रण रखते हुए शानदार खेल दिखाया और उन्होने लगातार दोनों अंतिम बुलेट जीतकर 6-5 से फाइनल में जगह बना ली । वहीं दूसरी और रूस की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक नें ईरान की सारा सदात को 7.5-4.5 के अंतर से मात देते हुए फाइनल मे प्रवेश कर लिया और अब फाइनल मे हम्पी उनसे खेलेंगी तो पिछली बार क्वाटर फाइनल में मिली हार का हिसाब चुकाना चाहेंगी । अब फाइनल मे हम्पी उनसे खेलेंगी तो पिछली बार क्वाटर फाइनल में मिली हार का हिसाब चुकाना चाहेंगी ।

रियो ओलंपिक की बजाय तोक्यो ओलंपिक में जाएगी मजबूत टीम : सविता

नई दिल्ली ।

महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता के मुताबिक 2016 रियो ओलंपिक में टीम के पास अनुभव की कमी थी लेकिन पिछले चार वर्षों में भारत एक प्रतिस्पर्धी टीम में बदल गया है और अगले साल के तोक्यो खेलों में उनके पास इतिहास रचने का अच्छा मौका होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 36 साल के अंतराल के बाद रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रचा था। टीम की यह खुशी हालांकि ज्यादा लंबे समय तक बरकरार नहीं रही क्योंकि वे ग्रुप चरण से ही बाहर हो गए थे। सविता ने कहा- मुझे लगता है कि उस समय हमारी टीम अनुभवहीन थी और हमने कुछ गलतियां की थीं। अब हमारे पास अधिक मजबूत टीम है और मुझे यकीन है कि हम रियो की असफलता को पीछे छोडने में कामयाब होंगे। ओलंपिक खेलों का अनुभव निश्चित रूप से तोक्यो में हमारे काम आएगा। इस 30 साल की गोलकीपर ने कहा- मुझे लगता है कि हमारे पास तोक्यो ओलंपिक में इतिहास बनाने का शानदार मौका है। टीम में अनुभवी और युवा खिलाडियों का शानदार मिश्रण है। हमने हाल के दिनों में शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा की है और हमें अपनी क्षमताओं पर दृढ़ विश्वास है। अगर हम अपनी क्षमता से खेलते हैं तो निश्चित रूप से अगले साल ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतेंगे। सविता ने कहा- हमारे लिए घरेलू दर्शकों के सामने एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर 2019 के जरिए तोक्यो ओलंपिक का टिकट हासिल करना शानदार था। वहीं, किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलंपिक हमेशा शीर्ष टूर्नामेंट होगा। हम सभी का सपना न केवल प्रतियोगिता में भाग लेना है, बल्कि अपने देश के लिए पदक जीतना भी है। 2016 में रियो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना शानदार था।

पांच महीने के ब्रेक के बाद स्क्वाश कोर्ट पर वापसी चाहती हैं जोशना

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष रैंकिंग की स्क्वाश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा खेल से करीब पांच महीने दूर रहने के बाद जल्द ही कोर्ट में प्रवेश की उम्मीद कर रही हैं, हालांकि खेल की राष्ट्रीय संस्था ने कोविड-19 महामारी के चलते सितंबर तक किसी भी गतिविधि की संभावना से इनकार किया है। पिछले महीने भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसआरएफआई) के सचिव और पूर्व राष्ट्रीय कोच साइरस पोंचा ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि सितंबर से पहले कोई टूर्नामेंट आयोजित हो पायेगा। उनके अनुसार चेन्नई में भारतीय स्क्वाश अकादमी में ट्रेनिंग बहाल करने की संभावना बहुत कम है। जोशना हालांकि कोर्ट पर वापसी के लिए आतुर हैं। उन्होंने कहा- यह आसान नहीं है, कोर्ट पर वापसी नहीं कर पाना। मुझे कोर्ट पर गए हुए 5 महीने हो जाएंगे। मैं अकादमी में ट्रेनिंग करना पसंद करती हूं। उम्मीद करती हूं कि शीर्ष एथलीट के तौर पर हम सितंबर से पहले ट्रेनिंग कर पाएंगे। इस महीने के शुरू में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने वाली जोशना ने कहा- यह महत्वपूर्ण है क्योंकिहम बड़े टूर्नामेंट (2022 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल) की तैयारी कर रहे हैं। खेल से जुड़े रहना काफी अहम है। हम बड़े टूर्नामेंट (2022 राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल) की तैयारी कर रहे हैं। खेल से जुड़े रहना काफी अहम है। उम्मीद करते हैं कि हमें नियंत्रित माहौल में एक दिन में एक घंटा खेलने की अनुमति मिल जाये।

ओलंपिक हॉकी कार्यक्रम तय: भारतीय पुरूष टीम का सामना न्यूजीलैंड से, महिला का नीदरलैंड से

लुसाने।

चार दशक से पदक के लिए इंतजार कर रही भारतीय पुरूष हॉकी टीम तोक्यो ओलंपिक में अपने अभियान का आगाज 24 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। महिला टीम उसी दिन नीदरलैंड से पहला मैच खेलेगी। आठ बार की चैम्पियन भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना , स्पेन, न्यूजीलैंड और मेजबान जापान के साथ ग्रुप ए में रखा गया है जबकि ग्रुप बी में बेल्जियम, नीदरलैंड, जर्मनी, ब्रिटेन, कनाडा और दक्षिण अफ्रीका है। तोक्यो ओलंपिक 2020 में होने थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिए गए हैं। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने आठवां और आखिरी ओलंपिक स्वर्ण 1980 में मॉस्को में जीता था। उसे 25 जुलाई को आस्ट्रेलिया से, 27 जुलाई को स्पेन, 29 जुलाई को गत चैम्पियन अर्जेंटीना और 30 जुलाई को जापान से खेलना है। महिला वर्ग में भारत को पूल ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ब्रिटेन, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। पूल बी में आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड, स्पेन, चीन और जापान हैं । महिला टीम 24 जुलाईको नीदरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद जर्मनी (26 जुलाई), ब्रिटेन (28 जुलाई), अर्जेंटीना(29 जुलाई) और जापान(30 जुलाई) से खेलेगी। पहले हॉकी स्पर्धा 25 जुलाई से सात अगस्त 2020 के बीच होनी थी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को संशोधित कार्यक्रम के साथ मैचों के क्रम और स्थान में भी बदलाव का ऐलान किया।

अगले साल ओलंपिक में पुरूष हॉकी का पहला मैच जापान और आस्ट्रेलिया के बीच होगा जबकि महिला वर्ग के पहले मैच में विश्व चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंडका सामना भारत से होगा। दोनों पूल से शीर्ष चार टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। पुरूष वर्ग के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल एक, तीन पुरूष वर्ग के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल एक, तीन और पांच अगस्त को होंगे जबकि महिला वर्ग में ये मुकाबले दो, चार और छह अगस्त को खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

क्विंटन डी कॉक थ्रीटीसी सोलिडारिटी कप से हटे, तेंबा बावुमा करेंगे काइट्स की कप्तानी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका ने नये प्रारुप में खेले जा रहे तीन टीमों की क्रिकेट टूर्नामेंट (3टीसी) सोलिडैरिटी कप में काइट्स टीम के कप्तान क्विंटन डी कॉक ने अपना नाम वापस ले लिया। इस टूर्नामेंट के जरिए देश में शनिवार को कोविड-19 के कारण निलंबित रहने के बाद फिर से क्रिकेट सत्र की शुरूआत हो रही है। डी कॉक की गैरमौजूदगी में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज तेंबा बावुमा काइट्स की कप्तानी करेंगे जबकि टीम में उनकी जगह विकेटकीपर रयान रिकेल्टन को शामिल किया गया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने ट्वीट कर बताया, 'काइट्स के कप्तान क्विंटन डी कॉक व्यक्तिगत कारणों से टूर्नामेंट से हट गए हैं। नए प्रारूप के तहत दक्षिण अफ्रीका के 24 शीर्ष क्रिकेटर तीन टीमों में होंगे। ये टीमें ईगल्स, किंगफिशर्स और काइट्स हैं मैच में 18 -18 ओवर के दो हाफ होंगे। हर टीम को 12 ओवर मिलेंगे जो छह छह ओवर में बंटे होंगे। ये छह छह ओवर अलग अलग टीमें फेकेंगी । ड्रा से तय होगा कि पहले बल्लेबाजी कौन करेगा । मैच के दौरान हर टीम को दो पारियों में बल्लेबाजी करनी होगी।

द्रविड़ का खुलासा : संन्यास के बाद इस दिग्गज ने दी थी 'दूसरी पारी' के लिए खास सलाह

नई दिल्ली ।

पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा कि महान आल राउंडर कपिल देव की सलाह ने उन्हें संन्यास के बाद विकल्प तलाशने में मदद की जिसके बाद उन्होंने भारत ए और अंडर-19 टीमों के कोचिंग पद की जिम्मेदारी संभाली। द्रविड़ ने कहा कि वह थोड़े भाग्यशाली भी रहे कि अपने करियर के अंत में वह इंडियन प्रीमियर लीग की टीम राजस्थान रायल्स में कप्तान-सह-कोच की भूमिका निभा रहे थे। द्रविड़ ने भारतीय महिला टीम के कोच डब्ल्यू वी रमन को उनके यूट्यूब चैनल 'इनसाइड आउट' में कहा- खेलना बंद करने के बाद (संन्यास लेने के बाद) बहुत ही कम विकल्प थे और मुझे पता नहीं चल रहा था कि क्या करना चाहिए। तो कपिल देव ही थे जिन्होंने मुझे सलाह दी और ऐसा मेरे करियर के अंत के दौरान ही हुआ था। उन्होंने कहा- मैं उनसे कहीं मिला और उन्होंने कहा, राहुल सीधे जाकर कुछ भी मत करो, पहले कुछ समय सिर्फ देखो और अलग अलग चीजें करो और फिर देखो कि तुम्हें वास्तव में क्या पसंद है। मुझे लगा कि यह अच्छी सलाह है। द्रविड़ बोले- शुरू में मुझे कमेंटरी करना पसंद आया था, लेकिन बाद में उन्हें लगा कि वह खेल से थोड़े दूर हैं। द्रविड़ ने कहा- मुझे जो चीज सबसे ज्यादा संतोषजनक लगती है वो खेल से जुड़े रहना है और खिलाड़ियों के साथ संपर्क में रहना। मुझे कोचिंग जैसी चीज पसंद थी और जब मेरे पास मौका आया तो मैं भारत ए और अंडर-19 टीमों के साथ जुड़ गया। भारत के लिए 1996 से 2012 के बीच 164 टेस्ट में 13,288 रन बनाने वाले इस महान बल्लेबाज ने कहा- विशेषकर कोचिंग का विकास करने में मदद करने वाला हिस्सा, भले ही इसमें भारत-ए टीम हो, अंडर-19 टीम या फिर एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी)।

इससे मुझे काफी सारे खिलाड़ियों से काम करने का मौका मिला और इसमें मुझे तुरंत नतीजे की चिंता भी नहीं थी जो मुझे लगता है कि मेरे लिये काम करने के लिये अच्छा था। उन्होंने साथ ही बीसीसीआई के अंडर-19 खिलाड़ियों को एक विश्व कप तक सीमित करने के फैसले का समर्थन किया। सीमित करने के फैसले का समर्थन किया। द्रविड़ बेंगलुरू में एनसीए के भी क्रिकेट प्रमुख हैं। उन्होंने कहा- महज 15 से 20 खिलाड़ियों के बजाय हम एनसीए में 45 से 50 खिलाड़ियों को सुविधाओं का फायदा दिला सकते थे जिसमें अच्छे ट्रेनर शामिल थे।

धोनी-रोहित के मुरीद हुए कामरान अकमल, बोले- इनकी इन कलाओं के हैं कायल

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के क्रिकेटर कामरान अकमल ने भारत के वनडे उप-कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही उन्होंने कहा है कि रोहित का पावर-हिटिंग में विश्व क्रिकेट में कोई भी मुकाबला नहीं है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कामरान से एक प्रशंसक ने रोहित पर विचार देने को कहा था। इस पर उन्होंने कहा- अद्भुत ... अविश्वसनीय बल्लेबाज। उसे बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आता है। उसकी बल्लेबाजी, उसका स्वभाव उनकी प्रतिबद्धता का स्तर अविश्वसनीय है। वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो दोहरे शतक (तीन) बनाए हैं। उन्होंने विश्व कप (इंग्लैंड और वेल्स में 2019) में भी 5 शतक बनाए। अकमल ने कहा- मैं रोहित, बाबर आजम और विराट कोहली को बल्लेबाजी करते देखना पसंद करता हूं लेकिन जब पावर हिटिंग की बात आती है तो रोहित सबसे पहले आते हैं। एक अन्य प्रशंसक ने विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के बारे में सवाल उठाया तो अकमल ने उन्हें भारत का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताया। अकमल ने कहा- भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी है। उसने देश के लिए बहुत कुछ हासिल किया है। जिस तरह से उसने लगातार प्रदर्शन किया है वह अविश्वसनीय है। वह एकदिवसीय मैचों में 50 से ऊपर का औसत रखता है। दूसरी पारी में मैच जिताने वाली पारियां खेलता है। धोनी को इसका श्रेय मिलना चाहिए। 50 ओवर का विश्व कप, टी 20 विश्व कप, आईपीएल, चैंपियंस ट्रॉफीसब उन्होंने बतौर कप्तान जीता। वह अविश्वसनीय कलाकार हैं। सब उन्होंने बतौर कप्तान जीता। वह अविश्वसनीय कलाकार हैं।

तोक्यो ओलंपिक के वेन्यू तय, शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं

तोक्यो । अगले साल होने वाले तोक्यो ओलंपिक के 42 वेन्यू तय हो गए हैं और प्रतिस्पर्धाओं का कार्यक्रम वही रहेगा जो इस साल रहने वाला था। खेल गांव और मुख्य मीडिया सेंटर भी तैयार किये जा रहे हैं। तोक्यो आयोजन समिति के अध्यक्ष योशिरो मोरी और सीईओ तोशिरो मुतो ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्यों को शुक्रवार को एक संदेश में यह जानकारी दी। उन्होंने एक आनलाइन सत्र में जापान से आईओसी सदस्यों से बात की। जापान में लगाए गए अनुमान के अनुसार एक साल के लिए टाले जाने से आयोजकों को 2 से 6 अरब तक का अतिरिक्त खर्च आएगा। ओलंपिक अधिकारियों ने कुल लागत का कोई अनुमानित आंकड़ा नहीं बताया। उद्घाटन समारोह 23 जुलाई 2021 को होगा जबकि महिला सॉफटबाल और फुटबॉल की स्पर्धायें 21 जुलाई से होंगी। पुरूष फुटबॉल 22 जुलाई और तीरंदाजी तथा नौकायन 23 जुलाई से होगा। पहली पदक प्रतिस्पर्धा 24 जुलाई को महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल होगी।

डीविलियर्स की जोरदार वापसी, 3-टीसी क्रिकेट में 24 गेंदों पर ठोके 61 रन

नई दिल्ली । एबी डीविलियर्स ने दक्षिण अफ्रीका में खेली जा रही 3 टीसी सॉलिडैरिटी कप के दौरान जोरदार वापसी की है। फूड काइट्स और किंगफिशर्स टीम के खिलाफ खेले गए मैच में डीविलियर्स ने महज 24 गेंदों पर 61 रन बनाकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। डीविलियर्स की उक्त पारी की बदौलत उन्होंने ईगल्स को 12 ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 160 रनों पर ला खड़ा किया। 11वें ओवर में एनकि नोर्त्जे के हाथों आऊट होने से पहले डीविलियर्स ने अपने चिर परिचित अंदाज में बल्लेबाजी की। इससे पहले उन्होंने महज 21 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया था। नए प्रारूप के तहत दक्षिण अफ्रीका के 24 शीर्ष क्रिकेटर तीन टीमों में होंगे। ये टीमें ईगल्स, किंगफिशर्स और काइट्स हैं मैच में 18-18 ओवर के दो हाफ होंगे। हर टीम को 12 ओवर मिलेंगे जो 6-6 ओवर में बंटे होंगे। ये 6-6 ओवर अलग-अलग टीमें फेकेंगी। ड्रा से तय होगा कि पहले बल्लेबाजी कौन करेगा। मैच के दौरान हर टीम को दो पारियों में बल्लेबाजी करनी होगी।

सिबले के धीमे शतक पर बोले वॉन, यही था जो इंगलैंड को लंबे समय से चाहिए था

नई दिल्ली।

डोमिनिक सिबली को विंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक लगाने के बावजूद आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। सिबली पर काफी धीमा खेलने का आरोप लगा है लेकिन पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि यह खिलाड़ी में प्रतिभा है। वह इस वक्त वो ही कर रहा है जो इंग्लैंड को चाहिए। बता दें कि 24 वर्षीय सिबली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 312 गेंद में शतक बनाया था। नवंबर 2014 के बाद से टेस्ट क्रिक्केट में यह सबसे धीमा शतक था। तब बांग्लादेश के तमीम इकबाल ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 312 गेंदों में शतक लगाया था। वॉन ने कहा- सिबली ने अपनी 120 रनों की पारी में 372 गेंदें खेली। इंग्लैंड एक मजेदार टीम है। उनके फैंस ऐसे फॉर्मेट में उनकी आलोचना करते हैं क्योंकि वह काफी तेजतर्रार खेल खेलते हैं। लेकिन अब सोशल मीडिया पर बहुत से लोग आलोचना कर रहे थे कि डोम सिबली किस तरह खेले। सिबली अभी इंग्लैंड टीम के लिए बिल्कुल सही कर रहे हैं। ठीक ऐसा ही इंग्लैंड को लंबे समय से जरूरी था। कोई ऐसा व्यक्ति जो सिर्फ बने रहना चाहता है, अपने विकेट को महत्व देता हो और बल्लेबाजी करता हो। वॉन ने कहा- हम बेन स्टोक्स, जोस बटलर, ओली पोप और अन्य तेजतर्रार प्लेयरों को श्रेय देते हैं। इसी तरह डोम सिबली भी इज्जत के हकदार हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें इसमें बदलाव करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि उसके साथ बहुत गलत हुआ है। यह भी हो सकता है कि उसने अपनी गेम ऑफ साइड पर रखी ताकि वह गेंदबाजों को दबाव में लाए और सेट होकर रन बनाए।

पंजाब सरकार से खेल रत्न न मिलने पर बोले हरभजन- सरकार की कोई गलती नहीं

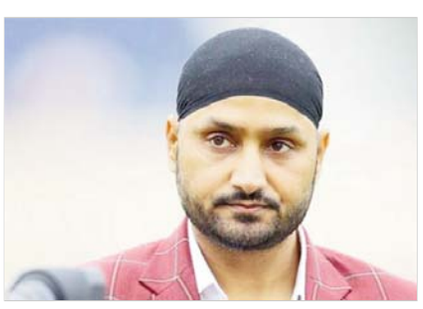

नई दिल्ली । अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने शनिवार को स्पष्ट किया कि पंजाब सरकार ने इस साल के राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिये उनका नामांकन वापस लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि वह इसकी पात्रता के मानदंड पर फिट नहीं बैठते। हरभजन ने ट्वीट किया- मुझे इतने सारे फोन आ रहे हैं कि पंजाब सरकार ने मेरा नाम खेल रत्न नामांकन से वापस क्यों ले लिया। सच यह है कि मैं खेल रत्न के लिए योग्य नहीं हूं जिसमें मुख्यतः पिछले 3 साल के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को देखा जाता है। चालीस साल के इस क्रिकेटर ने कहा- पंजाब सरकार की इसमें कोई गलती नहीं है क्योंकि उन्होंने सही कारण से मेरा नाम हटाया है। मीडिया में मेरे दोस्तों से अनुरोध करूंगा कि अटकलें नहीं लगाएं। मीडिया में मेरे दोस्तों से अनुरोध करूंगा कि अटकलें नहीं लगाएं। हरभजन को अर्जुन पुरस्कार और पद्म श्री से नवाजा जा चुका है। उन्होंने टेस्ट और वनडे में अंतिम बार 2015 में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने टेस्ट में 417 और वनडे में 269 विकेट हासिल किए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिल्मी दुनिया

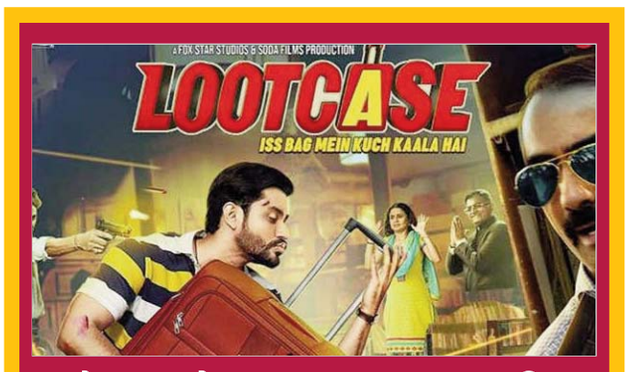

लूटकेस का ट्रेलर हुआ OUT, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

नई दिल्ली। क्या कभी पैसों से भरा बैग हाथ लगा है? अगर नहीं, तो आगामी कॉमेडी-ड्रामा फिल्म लुटकेस में देखिए क्या होता है जब पैसों से भरा बैग एक आदमी के हाथ लग जाता है। फिल्म लूटकेस को 31 जुलाई 2020 में रिलीज जाएगा और यह एक मजेदार रोलरकोस्टर सवारी होगी जिसे देखकर दर्शक निश्चित रूप से हंसी से लोटपोट हो जाएंगे।दर्शकों को लूटकेस की दुनिया की एक झलक पाने के लिए ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार था और आखिरकार, फॉक्स स्टार इंडिया ने अपने सोशल मीडिया पर ट्रेलर का लिंक साझा कर दिया है। कुणाल केमू ने ट्रेलर रिलीज के साथ एक मजेदार वीडियो भी साझा किया है, जिसमें दर्शकों से फिल्म के बारे में एक संशोधन करने और अगर अभी तक उन्होंने ट्रेलर नहीं देखा है तो इसे देखने के लिए कहा है। फिल्म को लोकप्रिय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर एक प्रत्यक्ष ओटीटी रिलीज के रूप में जारी किया जाएगा।कुणाल केमू, रसिका दुगल, रणवीर शौरी, विजय राज और गजराज राव द्वारा अभिनीत, फिल्म राजेश कृष्णन द्वारा निर्देशित और फॉक्स स्टार स्टूडियो एवं सोडा फिल्म्स प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित है व राजेश कृष्णन और कपिल सावंत द्वारा लिखित है।

कोरोना के खौफ से मुंबई छोड़ परिवार के साथ लोनावाला में शिफ्ट हुए करण टेकर, बिल्डिंग में मिले थे 5 लोग संक्रमित

बॉलीवुड । कोरोनावायरस जैसी भयानक महामारी ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इससे कई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। देश में कोरोना वायरस के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि फिल्म और टीवी इंडस्ट्री भी इसके कहर से बच नहीं पाई है। ऐसे में इंडस्ट्री में भी दहशत का माहौल पैदा हो गया है। कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए टीवी सीरियल एक हजारों में मेरी बहना है फेम करण टेकर अपने मुंबई अपने परिवार के साथ शिफ्ट हो गए हैं। बता दें करण अब मुंबई के अंधेरी वाले घर को छोड़ लोनावला में अपने परिवार के साथ शिफ्ट हो गए हैं। ऐसी बातों पर एक्टर का कहना है कि मुंबई में लगातार कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, मेरे अंधेरी वाली बिल्डिंग में भी कई कोरोना के मामले सामने आए थे, मैं अपने माता-पिता को लेकर काफी चिंतित हूं। बस इन सब के चलते मुझे मुंबई छोड़ना पड़ा। अब हम एंबी वैली में रहते हैं। एक्टर ने आगे कहा, भगवान की कृपया से हम सब सुरक्षित है, हम में से किसी को भी इस वायरस का सामना नहीं करना पड़ा है। हमने सोचा कि ये एक अच्छा फैसला होगा, अगर हम सुरक्षित रहने के लिए शहर से दूर चले जाते हैं। करण का कहना है कि अगब उन्हें काम पर लौटना भी होगा तो वे अपने लोनावाला वाले घर से ही अप-डाउन करेंगे।

जाह्नवी की गुंजन सक्सेना द कारगिल गर्ल 12 अगस्त को होगी रिलीज

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म गुंजन सक्सेना द करगिल गर्ल 12 अगस्त को नेटफिलक्स पर रिलीज होगी।जाह्नवी फिल्म गुंजन सक्सेना-द करगिल गर्ल को लेकर काफी चर्चा में है। जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म से जुड़ा अपना एक लुक शेयर कर बताया है कि उनकी ये फिल्म 12 अगस्त को रिलीज होगी। जाह्नवी कपूर ने फिल्म की रिलीज डेट के साथ लिखा, कारगिल युद्ध में भारत की पहली महिला वायु सेना अधिकारी की कहानी आपके सामने लाते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। उम्मीद है कि ये जर्नी मेरी तरह आपको भी काफी प्रभावित करेगी। गुंजन सक्सेनाद्व द करगिल गर्ल 12 अगस्त को नेटफिलक्स पर रिलीज हो रही है। फिल्म में जाह्नवी कपूर के अलावा अंगद बेदी, मानव विज और पंकज त्रिपाठी भी नजर आएंगे। पंकज त्रिपाठी इस फिल्म में जाह्नवी के पिता के किरदार में नजर आयेंगे।

जगदीप के निधन से टूट चुका है बेटे जावेद जाफरी का दिल, थ्रोबैक तस्वीरें शेयर कर किया पिता को याद

मुंबई। बॉलीवुड के मशहूर कॉमेडियन और एक्टर जगदीप के निधन को 1 हफ्ते से ज्यादा का समय हो गया है, लेकिन आज भी उनकी यादों का सिलसिला जारी है। जगदीप के परिवार के सदस्य अभी तक उनके खोने के गम से नहीं उबर पाए हैं। हाल ही में बेटे और एक्टर जावेद जाफरी ने पिता को याद करते हुए एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा हैावेद ने अपने ट्विटर अकाउंट पर पिता के साथ बिताए पलों की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, दिल टूटा हुआ महसूस कर रहा हूं। इन थ्रोबैक फोटोज में बाप-बेटे के बीच की जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिल रही है। इन तस्वीरों को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

कोरोना काल पर सोनू सूद लिखेंगे किताब, पन्नों में दर्ज होगी मजदूरों की दर्द भरी दास्तान की कहानी

मुंबई।

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने कोरोना वायरस की महामारी के दौरान देश में लॉकडाउन के बीच प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों तक पहुंचाया। सोनू के इस काम की हर कोई तारीफ कर रहा है। मुश्किल की घड़ी में बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद प्रवासी मजदूरों के लिए भगवान बनकर आगे आए। कोरोना काल महाराष्ट्र में फंसे मजदूरों को उनके घर भेजने का काम किया था। यहां तक की उन्होंने मजदूरों के लिए स्पेशल ट्रेनें भी चलवाई थीं। वहीं अब सोनू सूद अपने इन्हीं अनुभवों पर एक किताब लिखने जा रहे हैं। उनकी यह पहली किताब होगी। अभी इस किताब का नाम तय नहीं हुआ है। इस किताब में लोगों की मदद करने और लोगों की इस यात्रा के भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण क्षणों का भी जिक्र होगा। उन्होंने पेंग्विन रैंडम हाउस के साथ मिलकर अपने इस काम को किया है। पब्लिकेशन पेंग्विन रेंडम हाउस इंडिया ने बुधवार को बताया कि यह किताब इस साल के अंत तक लॉन्च होगी। इस बारे में बात करते हुए सोनू ने कहा- मैंने फैसला लिया है कि हमेशा के लिए मेरी आत्मा में बस चुकी कहानियों और अनुभवों को मैं किताब में दर्ज करूंगा।मैं उत्साहित हूं और किताब के जरिए आपसे जुड़ने के लिए बेचैन हूं। मैं आपका समर्थन चाहता हूं, सभी को प्यार। प्रवासियों के साथ दिन में 16 से 18 घंटे रहना और दर्द बांटना. जब मैं उन्हें घर वापस जाने के लिए यात्रा शुरू करता हूं तो मेरा दिल खुशी और सुकून भरा होता है। उनके चेहरे पर मुस्कान देखकर, उनकी आंखों में खुशी के आंसू मेरे जीवन का सबसे खास इस आंदोलन के बाद मुझे लगता है कि मेरा एक हिस्सा यूपी, बिहार, झारखंड, असम, उत्तराखंड और कई अन्य राज्यों के गांवों में रहता है, जहां मुझे अब नए दोस्त मिल गए हैं और गहरे संबंध बनाए हैं. मैंने निर्णय किया है कि इन सभी अनुभवों और कहानियों को एक किताब में पिरोऊंगा। बता दें कि सोनू ने मुंबई में रहने वाले प्रवासी श्रमिकों को उनके राज्यों में पहुंचाने के लिए अभियान शुरू किया था। सूद और उनकी टीम ने इस संबंध में टोल फ्री नंबर और वॉट्सऐप नंबर भी जारी किया था। उन्होंने मार्च में लागू लॉकडाउन की वजह से शहर में फंसे लोगों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए खाना, बस, ट्रेन के साथ ही विमान तक की अरेंज

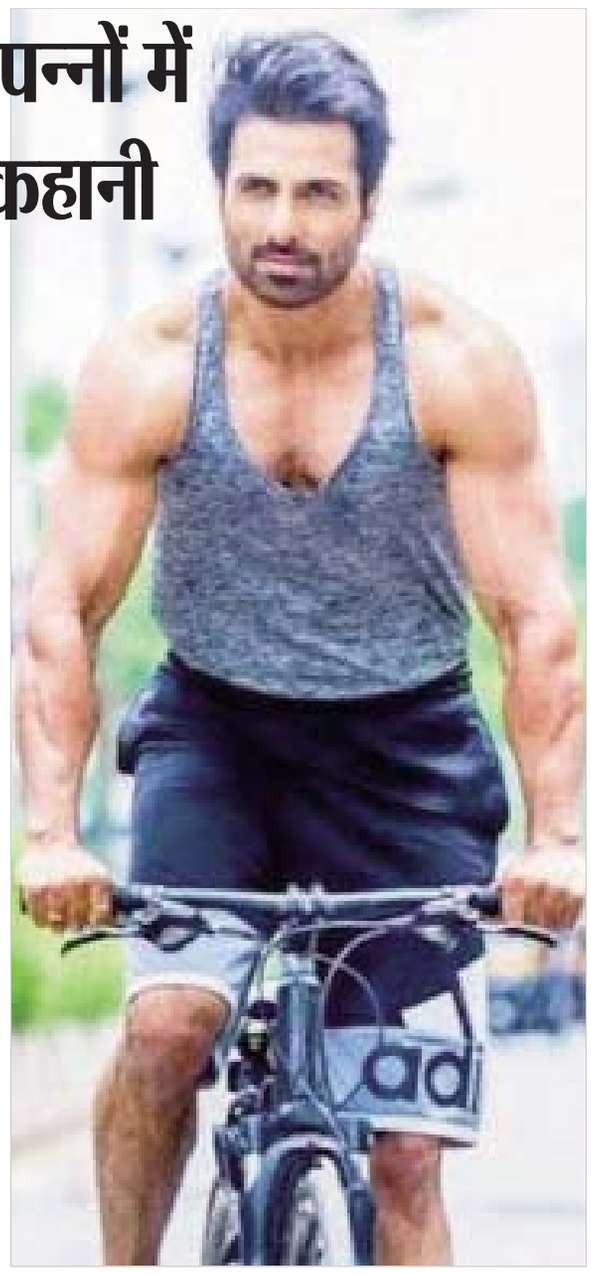

अमिताभ ने दी छह प्रकार की प्रवृति वाले लोगों से बच कर रहने की नसीहत

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने छह प्रकार के प्रवृति वाले लोगों से बच कर रहने की अपील है और कहा है कि ईष्या, क्रोधी और सदा शंका करने समेत छह प्रकार के मनुष्य हमेशा दुखी रहते हैं।बिग बी कोरोना वायरस से संक्रमित होने और उपचार के लिये भर्ती होने के बावजूद सोशल मीडिया पर निरंतर सक्रिय रहते हैं और इसी सिलसिले में उन्होंने ट्वीट कर यह नसीहत दी है। सत्तहतर वर्षीय सदी के महानायक और उनके पुत्र अभिनेता अभिषेक बच्चन कोरोना संक्रमित हैं और दोनों को शनिवार रात यहां के नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी पुत्रवधू अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन और पोती आराध्य बच्चन भी कोरोना संक्रमित हैं और इन दोनों का घर पर ही आइशोलेशन में उपचार चल रहा है। मेगास्टर ने गुरुवार को ट्विटर पर संस्कृत और फिर उसे हिंदी में लिखा ईर्ष्यी घृणी त्वसंतु क्रोधनो नित्यशङ्कितः।परभाग्योपजीवी च षडेते दुखभागिनः। अर्थात सभी से ईर्ष्या, घृणा करने वाले, असंतोषी, क्रोधी, सदा संदेह करने वाले और पराये आसरे जीने वाले ये छ अर्थात सभी से ईर्ष्या, घृणा करने वाले, असंतोषी, क्रोधी, सदा संदेह करने वाले और पराये आसरे जीने वाले ये छः प्रकार के मनुष्य हमेशा दुखी रहते हैं। अतः यथा संभव इन प्रवृतियों से बचना चाहिए।

हिना खान के लेटेस्ट फोटोशूट ने मचाई सनसनी, इंटरनेट पर बार-बार देखी जा रहीं तस्वीरें

मुंबई।

टीवी की दुनिया से करियर की शुरूआत कर बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली हिना खान अपने डिफ्रेंट अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उनकी फोटो हो या वीडियो, सोशल मीडिया पर आते ही जाती है। हिना खान अकसर अपने स्टाइलिश अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। आईए डालते हैं एक नजर इन तस्वीरों पर.. लुक की बात करें तो इस दौरान हिना ब्लू डेनिम और व्हाइट टॉप में नजर आ रही हैं। इस लुक के साथ एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर की बेल्ट टाइ की हुई है, जो नीचे तक लटक रही है और उनके लुक को डिफ्रेंट बना रही हैं। इतना ही नहीं ओपन हेयर्स, न्यूड लिपस्टिक उनके चेहरे की खूबसूरती को चार-चांद लगा रही है। लुक को कैरी करते हुए एक्ट्रेस कातिलाना अदाओं में पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को फैंस बार बार देख रहे हैं और अब तक इन्हें 4 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वर्कफ्रंट पर हिना टीवी की दुनिया का जाना माना नाम हैं। उन्होंने सीरीयल रिश्ता क्या कहलाता है से घर-घर में पहचान बनाई है। इसके अलावा एक्ट्रेस खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस 13 और कसौटी जिंदगी की में भी नजर आ चुकी हैं। टीवी के बाद एक्ट्रेस ने फिल्म हैक्ड से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था।

इसके अलावा एक्ट्रेस खतरों के खिलाड़ी और बिग बॉस 13 और कसौटी जिंदगी की में भी नजर आ चुकी हैं। टीवी के बाद एक्ट्रेस ने फिल्म हैक्ड से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था।

बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार थे राजेश खन्ना

मुंबई ।

हिंदी फिल्म जगत में अपने अभिनय से लोगों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता तो कई हुये और दर्शकों ने उन्हें स्टार कलाकार माना लेकिन सत्तर के दशक में राजेश खन्ना पहले ऐसे अभिनेता के तौर पर अवतरित हुये जिन्हें दर्शको ने सुपरस्टार की उपाधि दी।पंजाब के अमृतसर में 29 दिसंबर 1942 को जन्में जतिन खन्ना उर्फ राजेश खन्ना का रूझान बचपन से ही फिल्मों की ओर था और वह अभिनेता बनना चाहते थे। हांलाकि उनके पिता इस बात के सख्त खिलाफ थे। राजेश खन्ना अपने करियर के शुरूआती दौर में रंगमंच से जुड़े और बाद में यूनाईटेड प्रोड्यूसर ऐसोसियेशन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया टैलेंट कान्टेस्ट में भाग लिया जिसमें वह प्रथम चुने गये। राजेश खन्ना ने अपने सिने करियर की शुरूआत 1966 में चेतन आंनद की फिल्म .आखिरी खत ..से की। वर्ष 1966 से 1969 तक राजेश खन्ना फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे। राजेश खन्ना के अभिनय का सितारा निर्माता-निर्देशक शक्ति सामंत की क्लासिकल फिल्म 'अराधना' से चमका। बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की 'गोल्डन जुबली' कामयाबी ने राजेश खन्ना को 'स्टार' के रूप में स्थापित कर दिया। फिल्म की सफलता के बाद राजेश खन्ना शक्ति सामंत के प्रिय अभिनेता बन गये। बाद में उन्होंने राजेश खन्ना को कई फिल्मों में काम करने का मौका दिया। इनमें कटी पतंग, अमर प्रेम, अनुराग, अजनबी, अनुरोध और आवाज आदि शामिल है।फिल्म अराधना की सफलता के बाद राजेश खन्ना की छवि रोमांटिक हीरो के रूप में बन गयी।इस फिल्म के बाद निर्माता -निर्देशकों ने अधिकतर फिल्मों में उनकी रूमानी छवि को भुनाया। सत्तर के दशक में राजेश खन्ना लोकप्रियता के शिखर पर जा पहुंचे और उन्हें हिंदी फिल्म जगत के पहले सुपरस्टार होने का गौरव प्राप्त हुआ। फिल्म इंडस्ट्री में राजेश को प्यार से काका कहा जाता था। जब वे सुपरस्टार थे तब एक कहावत बड़ी मशहूर थी। ऊपर आका और नीचे काका। यूं तो उनके अभिनय के कायल सभी थे लेकिन खासतौर पर टीनएज लड़कियों के बीच उनका क्रेज कुछ ज्यादा ही दिखाई दिया। लड़कियां काका की इस कदर दीवानी थी कि उन्हें अपने खून से प्रेम पत्र लिखा करती थी और उससे ही अपनी मांग भर लिया करती थी।सत्तर के दशक में राजेश खन्ना पर यह आरोप लगने लगे कि वह केवल रूमानी भूमिका ही निभा सकते है।

सुशांत केस पर बोलीं धाकड़ गर्ल कंगना- लौटा दूंगी 'पद्मा श्री' अगर अपने दावे साबित नहीं कर सकी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत एक्टर सुशांत के सुसाइड के बाद कंगना ने कई बड़े खुलासे किए थे। कंगना ने इंडस्ट्री में फैले नेपोटिज्म आउटसाइडर्स के खिलाफ गुट्टबाजी कर रहे मूवी माफियाओं पर निशाने साधे थे। कंगना ने अपने स्टेटमेंट में यहां तक कह दिया था कि सुशांत का निधन सूइसाइड नहीं बल्कि एक प्लांड मर्डर है।कंगना ने अपने बयान में फिल्म इंडस्ट्री के कुछ बड़े नामों पर आरोप लगाए थे। हालांकि इसके बाद भी सुशांत के केस में कंगना से कोई पूछताछ नहीं हुई है। इसी बीच अब एक बार फिर कंगना अपने बयान की वजह से चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में कंगना ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू कंगना ने मुंबई पुलिस की जांच को दिखावा बताते हुए ने कहा- सुशांत के परिवार को परेशान नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ये बहुत पावरफुल हैं। इन लोगों को बुलाया तक नहीं गया। मुंबई पुलिस की जांच पूरी तरह से दिखावा है। कगंना के मुताबिक मुंबई पुलिस को करण जौहर, आदित्य चोपड़ा, राजीव निर्देशक महेश भट्ट और फिल्म क्रिटीक राजीव मसंद को बुलाना चाहिए और इस केस के संबंध में उनसे बात करनी चाहिए। इंटरव्यू के दौरान खुलासा करते हुए कंगना ने कहा-सुशांत केस की जांच कर रहे अधिकारी ने मुझे बुलाया तो इस पर मैंने उनसे भी पूछा मैं मनाली में हूं, क्या आप किसी को मेरा बयान लेने के लिए भेज सकते हैं, लेकिन मुझे उसके बाद से कोई जवाब नहीं मिला है। कंगना ने आगे कहा-मैं आपको बता रही हूं, अगर मैंने कुछ कहा है और उसको मैं साबित नहीं कर सकती और जो सार्वजनिक डोमेन में नहीं है तो मैं अपना पद्मश्री लौटा दूंगी क्योंकि फिर मैं इसके लायक ही नहीं हूं। बता दें कि कंगना को इसी साल भारत सरकार ने पद्म श्री का सम्मान दिया था। बता दें कि बीते दिनों कंगना रनौत ने पिंकविला को दिए इंटरव्यू में कहा था कि वह दोस्त कमल जैन से बातचीत के बाद वह सुशांत से जुड़े कई राज जान चुकी हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पत्नी आलिया के खिलाफ एकजुट हुआ परिवार, भेजा मानहानि और धोखाधड़ी का नोटिस

बॉलीवुड ।

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछले कई दिनों से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी शादीशुदा जिंदगी में बवाल मचा हुआ है। आलिया ने अब तक नवाजु और उनके परिवार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं और चौकानो वाले खुलासे कर चुके हैं। वहीं अब आलिया के इन आरोपों के खिलाफ नवाजुद्दीन का परिवार एकजुट हो गया है और कानूनी लड़ाई लड़ने का फैसला लिया है। बता दें नवाजुद्दीन के चार भाई और उनकी पत्नियां सबा सिद्दीकी, गुलनाज, आफरीन और शाइस्ता अलमास ने आलिया के खिलाफ अपने वकील के साथ मिलकर मानहानि, धोखाधड़ी का नोटिस जारी किया है। हालांकि, पारिवारिक मामलो में उलझे बॉलीवुड स्टार नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभी इस मामले में चुप्पी साधे हुए हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी परिवार के वकील नदीम जफर जैदी ने का कहना है कि आलिया की पहले कई बार शादी हो चुकी है।

उन्होंने साल 2013 में नवाजु से निकाह किया था। जिसके साल बाद उनका तलाक हो गया और फिर बीच में वो दोनों इक्टठे रहने लग गए। फिर आलिया ने लॉकडाउन के दौरान सिद्दीकी फैमिली पर कई आरोप लगाए और हमने भी जवाब में उसको एक नोटिस भेजा था। फिर आलिया ने लॉकडाउन के दौरान सिद्दीकी फैमिली पर कई आरोप लगाए और हमने भी जवाब में उसको एक नोटिस भेजा था। बता दें आलिया ने नवाज के भाई फैजुद्दीन सिद्दीकी पर उन्हें मारने के आरोप लगाए थे और कहा था कि वो मेरी जासूसी करता है मेरा पीछा करता है। साथ ही उनकी फैलिनी पर भी मारपीट का आरोप लगाया था। नवाजु को लेकर आलिया ने कहा था कि उसकी कई गर्लफ्रेड है, जिसके चलते वो मुझ पर ध्यान नहीं देता था। इस लिए सभी भाइयों और उसकी पत्नियों ने आलिया के खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया है, जो दो चार दिन में दर्ज हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान संकट पर संबित पात्रा का कांग्रेस पर हमला, पूछा- क्या राज्य में सभी के फोन हो रहे हैं टेप

नई दिल्ली।

राजस्थान संकट पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार सियासी ड्रामा कर रही है। उन्होंने कहा, राजस्थान में तथाकथित बनाम प्रत्यक्ष का मामला है। हाईकमान से लड़ाई हाईकोर्ट तक पहुंची है। कांग्रेस के घर की लड़ाई सड़क पर पहुंच गई है। पात्रा ने कहा, अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री बनने के बाद शीतयुद्ध की स्थिति बनी रही। शुरू से ही गहलोत और पायलट के बीच मतभेद थे। भाजपा नेता ने कांग्रेस आलाकमान और राजस्थान के नेताओं से कुछ सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा, क्या फोन टेपिंग किया गया? क्या आधिकारिक रूप से फोन टेपिंग किया गया? पात्रा ने कहा ये षड्यंत्र, झूठ फरेब और कानून को ताक पर रखकर कैसे काम किया जाता है, उसका मिश्रण है। वहां जो राजनीतिक नाटक खेला जा रहा है, वो यही मिश्रण है। पात्रा ने कहा ये षड्यंत्र, झूठ फरेब और कानून को ताक पर रखकर कैसे काम किया जाता है।

उसका मिश्रण है। वहां जो राजनीतिक नाटक खेला जा रहा है, वो यही मिश्रण है। क्या राजस्थान की कांग्रेस सरकार खुद को विपरीत परिस्थितियों में पाकर गैर संवैधानिक तरीकों को अपना रही है? क्या कानून को ताक पर रखकर हथकंडे अपनाए जा रहे हैं?

पत्रकारिता की आड़ में प्यारे मियां का काला कारोबार, परवरिश के नाम पर बच्चियों से करवाता था धंधा

भोपाल।

यौन शोषण के साथ बहुत से अपराधों में संलिप्त है प्यारे मियां मध्यप्रदेश के भोपाल में चार नाबालिग सहित पांच लड़कियों से कथित तौर पर यौन शोषण करने के आरोपी 68 वर्षीय वरिष्ठ पत्रकार प्यारे मियां उर्फ अब्बा को पुलिस ने शुक्रवार को जिला अदालत में पेश किया। अदालत ने सुनवाई के बाद मियां को पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। अब प्यारे मियां की काली दुनिया के राज धीरे धीरे बेपर्दा हो रहे हैं। नाबालिग बच्चियों को शराब पिलाकर पार्टियों में भेजने आरोपी प्यारे मियां करोड़ों की अचल संपत्ति के मालिक बताए जा रहे हैं। बहुत से राज हैं जो पूछपड़ताल में अब तक खुले हैं और बहुत से खुलने बाकी है। जांच में पता चला है कि प्यारे मियां पर पच्चीस साल से 10 करोड़ रुपए से अधिक इनकम टैक्स बकाया है। इस लंबे अरसे दौरान उससे वसूली की कोशिश की गई लेकिन उसने टैक्स जमा नहीं किया। अब जबकि वह पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है तो इनकम टैक्स की भोपाल यूनिट पुराना केस खोलने की तैयारी में है। इतना ही नहीं राज्य सरकार से प्यारे मियां की कमाई और प्रॉपर्टी की तमाम जानकारी मांगी गई है। शुक्रवार को प्यारे मियां के ऐशबाग स्थित अवैध शादी हॉल के साथ कोहेफिजा में फ्लैट के बाहर किए अवैध निर्माण को भी तोड़ा गया। दिनभर चली कार्रवाई में शादी हॉल के एक हिस्से की छत और एक फ्रंट एलिवेशन गिराया जा चुका है। प्यारे मियां की पूरी जांच के बाद जो बातें सामने आई वो हैरान कर देने वाली थी। जांच में इस बात का खुलासा हुआ कि अय्याश प्यारे मियां सिर्फ नाबालिग लड़कियों का शोषण ही नहीं करता था बल्कि इसके और भी कई काले धंधे थे। कभी एक अखबार में पेस्टर जैसी मामूली नौकरी करने वाला आरोपी प्यारे मियां खुद अखबार का मालिक बन गया और कुछ ही साल में उसने काली कमाई के जरिए करोड़ों की संपत्ति बना ली। उसने इसी काली कमाई और पत्रकारिता का रौब दिखाते हुए नाबालिग लड़कियों को अपनी हवस का शिकार बनाया। प्यारे मियां ने अपने घर में ही अय्याशी का अड्डा बना रखा था। यहां पर वो नाबालिग लड़कियों को रसूखदारों के सामने पेश करता था। यह घिनौना खेल पिछले 2 साल से चल रहा है।

इस मामले में जो सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये सामने आई की प्यारे मियां की पूरी करतूतों में उसकी मुंह बोली बहू गुलशन भी साथ थी।

कोरोना के बाद दिल्ली में नई महामारी का खतरा, पांच साल तक के बच्चे बन रहे शिकार

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 34,884 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 10,38,716 हो गई, जिनमें से 671 लोगों की मौत हो जाने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 26,273 हो गई। वहीं अब तक दिल्ली में 1 लाख 20 हजार 107 लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। इसमें से 99 हजार 301 मरीज ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में रिकवरी रेट 82. 67 प्रतिशत हो चुका है। इसके साथ ही दिल्ली में अब कोरोना से परेशान दिल्लीवासियों पर अब एक नई मुसीबत आती हुई दिखाई दे रही है। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली के कई अस्पतालों ने कोरोना से संक्रमित बच्चों में चकत्ते और सूजन जसे कावासाकी नामक दुर्लभ बीमारी से जुड़े लक्षण देखे हैं। कावासाकी रोग एक ऐसा सिंड्रोम है जो किस कारण से होता है ये अब तक पता नहीं चला है। इसमें बुखार आता है। ये मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है। कावासाकी रोग वास्कुलिटिस का एक रूप है। जहां पूरे शरीर की रक्त वाहिकाओ में सूजन हो जाती हैं। बुखार आमतौर पर पांच दिनों से अधिक समय तक रहता है देश के शीर्ष बच्चों के अस्पतालों में से एक, दिल्ली के कलावती सरन अस्पताल में कोरोना संक्रमित 5-6 बच्चों में कावासाकी के लक्षण देखे गए हैं।

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को लिखा पत्र, आगामी चुनावों को लेकर मांगे सुझाव

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर कोविड-19 के दौरान देश में होने वाले आगामी चुनावों के प्रचार को लेकर राय और सुझाव मांगे हैं। आयोग ने एक पन्ने के अपने पत्र में राजनीतिक दलों से 31 जुलाई तक जवाब देने के लिए कहा। इस साल कुछ राज्यों में उपचुनाव और बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं। आयोग ने देश में कोविड-19 के मौजूदा हालात की ओर इशारा करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारें सुरक्षा सुनिश्चित करने और देश में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिये आपदा प्रबंधन अधिनियम,2005 तथा कुछ अन्य कानूनों के तहत दिशा-निर्देश जारी कर चुकी हैं। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को 31 जुलाई 2020 तक अपनी राय और सुझाव भेजने के लिये कहा है ताकि महामारी के दौरान होने वाले चुनावों में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रचार किये जाने को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश तैयार किये जा सकें बिहार के विभिन्न विपक्षी राजनीतिक दलों ने शुक्रवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह मतदाताओं को आश्वस्त करे साथ ही उन्होंने शारीरिक दूरी सुनिश्चित करने के लिये प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 250 तक सीमित करने का भी अनुरोध किया।

मां-बेटी के आत्मदाह पर बोलीं मायावती- दोषी अफसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे सरकार

लखनऊ।

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश के अमेठी में जमीन विवाद में आत्महत्या करने पर मजबूर मां बेटी के मामले में राज्य सरकार से सख्त कारवाई करने की मांग की है। मायावती ने शनिवार एक ट्वीट में कहा, '' मां बेटी को न्याय नहीं मिलने पर मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने आत्मदाह करने को मजबूर होना पड़ा है। यह बहुत चिंता की बात है। राज्य सरकार को दोषी अफसरों के खिलाफ सख्त कारवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, '' जमीन विवाद प्रकरण में अमेठी जिला प्रशासन से न्याय नहीं मिलने पर मां-बेटी को लखनऊ में सीएम कार्यालय के सामने आत्मदाह करने को मजबूर होना पड़ा।

यूपी सरकार इस घटना को गम्भीरता से ले तथा पीड़ित को न्याय दे तथा लापरवाह अफसरों के विरुद्ध सख्त कारवाई करे ताकि ऐसी घटना पुन नहीं हो। सुश्री मायावती ने हाल ही में महिला और

दलितों की सुरक्षा को लेकर राज्य सरकार के समक्ष कई बार चिंता व्यक्त की है इस पर कारवाई करने की मांग की है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आए राहुल गांधी, बोले- पूरा देश असम के साथ

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे असम में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आएं। उन्होंने ट्वीट किया, पूरा देश असम के साथ है। असम के लोग अपने साहसी स्वभाव से इस मुसीबत का डटकर सामना कर रहे हैं और इस आपदा से उबर जाएंगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील है कि हर संभव मदद का हाथ बढ़ाएं। असम में अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि राज्य के 28 जिलों में करीब 36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। आधिकारिक बुलेटिन में कहा गया है कि इस साल राज्य में बाढ़ और भूस्खलन में जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 102 हो गई है। 76 लोगों की मौत बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में हुई है जबकि 26 की मौत भूस्खलन में हुई है।

जम्मू कश्मीर में सेना का ऑपरेशन ऑल आउट तेज, 24 घंटे में 6 आतंकी ढेर

नेशनल डेस्क।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार सुबह सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच फिर मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में सेना के जवानों ने तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया।पिछले 24 घंटे में कश्मीर घाटी में 6 आतंकवादी मारे जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच शोपियां के अमशीपोरा में आज सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया। सुरक्षा बलों का अभियान जारी है और विस्तृत विवरण की प्रतीक्षा है। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में भ्शी शुक्रवार को सुरक्षा बलों की घेराबंदी तथा तलाश अभियान के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए थे। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किये थे। सेना के अधिकारी ने बताया कि कि कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों तथा पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है।

इन चार राज्यों में कोरोना के 60.53 प्रतिशत मामले, अब तक 26,751 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली।

देश में कोरोना संक्रमितों का 60.53 प्रतिशत महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली-कर्नाटक से नयी दिल्ली 17 जुलाई (वार्ता) महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली तथा कर्नाटक में कोरोना वायरस (कोविड-19) से अब तक अब तक 6,28,718 लोग संक्रमित हुए हैं, जो देशभर में इस जानलेवा महामारी की चपेट में आई कुल आबादी का 60.53 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में कोविड-19 से अब तक 2,92,589 लोग संक्रमित हुए हैं, वहीं तमिलनाडु में 1,60,907 लोग इसकी चपेट में आए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब तक 1,20,107 लोग इससे प्रभावित हुए हैं। वहीं कर्नाटक में कोविड-19 से अब तक 55,115 लोग संक्रमित हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 34,884 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 10,38,716 हो गयी है। वहीं इस दौरान 671 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 26,751 हो गई है। संक्रमण के तेजी से बढ़ रहे मामलों के बीच राहत की बात यह है कि इससे स्वस्थ होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक कुल 6,53,751 लोग रोगमुक्त हो चुके हैं। वहीं इस समय देश में कोरोना के 3,58,692 सक्रिय मामले हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी की स्थिति अब कुछ नियंत्रण में है और यहां संक्रमण के मामलों में वृद्धि की रफ्तार थोड़ी कम हुई है। राजधानी में अब तक 1,20,107 लोग कोरोना की चपेट में आये हैं तथा इसके कारण मरने वालों की संख्या 3571 हो गयी है। यहां अब तक 99,301 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक संक्रमितों की संख्या के मामले में गुजरात को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में 55,115 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 1147 लोगों की इससे मौत हुई है, वहीं 20,757 लोग स्वस्थ भी हुए हैं।

देश का पश्चिमी राज्य गुजरात संक्रमण के मामले में पांचवें स्थान पर आ गया है, लेकिन मृतकों की संख्या के मामले में यह महाराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु के बाद चौथे स्थान पर है। गुजरात में 46,430 लोग वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 2106 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 32,973 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के अब तक 45,163 मामले सामने आए हैं तथा इस महामारी से 1084 लोगों की मौत हुई है जबकि 27,634 मरीज ठीक हुए हैं।एक और दक्षिण भारतीय राज्य तेलंगाना में भी कोरोना संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। तेलंगाना में कोरोना संक्रमितों की संख्या 42,496 हो गयी है और 403 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 28,705 लोग अब तक इस महामारी से ठीक हुए हैं। आंध्र प्रदेश में संक्रमितों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने के कारण यह सर्वाधिक प्रभावित राज्यों की सूची में पश्चिम बंगाल से ऊपर आ गया है। राज्य में 40,646 लोग संक्रमित हुए हैं तथा मरने वालों की संख्या 534 हो गयी है, जबकि 20,298 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का राहुल गांधी पर पलटवार, प्वाइंट टू प्वाइंट समझाई पूरी विदेश नीति

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार के दौरान अमेरिका, यूरोप सहित प्रमुख ताकतों के साथ हमारा महत्वपूर्ण गठजोड़ मजबूत हुआ है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ हम राजनीतिक रूप से अधिक बराबरी के स्तर पर बात करते हैं। राहुल गांधी की टिप्पणी पर विदेश मंत्री ने कहा, ''पाकिस्तान के साथ (जिसे आपने छोड़ दिया) निश्चित तौर पर एक तरफ बालाकोट और उरी तो दूसरी तरफ शर्म अल शेख, हवाना और 26/11 के बीच अंतर है। इस बारे में स्वयं से पूछें। राहुल गांधी के वीडियो संदेश को लेकर जयशंकर ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर जोरदार निशाना साधा और उनके वीडियो को टैग करते हुए अपने सिलसिलेवार ट्वीट के जरिये बिन्दुवार उनके आरोपों का जवाब दिया। राहुल ने अपने वीडियो संदेश में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि पिछले छह वर्षो में भारत विदेश नीति और अर्थव्यवस्था के संबंध में परेशान और बाधित रहा। गांधी ने वीडियो में अपने विचार रखे कि क्यों चीन आक्रामक हो गया है और आरोप लगाया कि मोदी सरकार के दौरान देश कमजोर हुआ है। विदेश मंत्री ने ट्वीट में कहा, ''राहुल गांधी ने विदेश नीति पर सवाल पूछे हैं। यहां पर कुछ उत्तर हैं। हमारा महत्वपूर्ण गठजोड़ मजबूत हुआ है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कद बढ़ा है। अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान के साथ शिखर वार्ता और अनौपचारिक बैठकें होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब अधिक खुले मन से चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपेक), चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, दक्षिण चीन सागर और संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों के बारे में बातें करता है। इस बारे में मीडिया से पूछें।

संक्षिप्त समाचार

देश में नहीं थम रहे कोरोना के मामले, अब तक 26 हजार से ज्यादा लोगों की मौत

नेशनल डेस्क। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 34,884 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 10,38,716 हो गई, जिनमें से 671 लोगों की मौत हो जाने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 26,273 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन आंकड़ों के अनुसार अभी तक 6,53,750 लोग संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। देश में इस समय 3,58,692 संक्रमित लोगों का उपचार चल रहा है। अधिकारी ने कहा कि अभी तक 62.94 प्रतिशत मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। संक्रमित लोगों की कुल संख्या में विदेशी भी शामिल है। यह लगातार तीसरा दिन है, जब देश में कोविड-19 संक्रमण के 30,000 से अधिक मामले सामने आए हैं। पिछले 24 घंटे में 671 लोगों की मौत हुई है, जिनमें से महाराष्ट्र में 258, कर्नाटक में 115, तमिलनाडु में 79, आंध्र प्रदेश में 42, उत्तर प्रदेश में 38, पश्चिम बंगाल एवं दिल्ली में 26-26, गुजरात मे 17, जम्मू-कश्मीर और पंजाब में नौ-नौ, राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में आठ-आठ, तेलंगाना में सात, हरियाणा में पांच, झारखंड, बिहार एवं ओडिशा में चार-चार, असम एवं पुडुचेरी में तीन-तीन, छत्तीसगढ़ एवं गोवा में दो-दो और केरल एवं उत्तराखंड में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई। दस लाख का अंकड़ा पार करने वाला भारत तीसरा देश है। पहले स्थान पर अमेरिका है जहां सबसे अधिक 35,74,371 मामले और दूसरे स्थान पर स्थित ब्राजील में 20,1,2515 मामले हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने के कारण स्थिति में सुधार होता दिख रहा है लेकिन महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और पश्चिम बंगाल में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

मिजोरम,अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में लगे भूकंप के 8 झटके

पोर्ट ब्लेयर। अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में शुक्रवार को मध्यम तीव्रता के भूकंप के पांच झटके महसूस किए गए जबकि पूर्वोत्तर के मिजोरम में तीन झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार पांच घंटे के भीतर ही 4.5 तीव्रता से अधिक के चार झटके आए। एनसीएस के मुताबिक अंडमान में सुबह 10 बजकर 31 मिनट पर 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। यह पोर्ट ब्लेयर से 250 किलोमीटर पूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। द्वीप समूह पर शाम छह बजकर 59 मिनट पर 5.1 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। इसके बाद रात सात बजकर 33 मिनट पर 5.6 तीव्रता का झटका लगा। रात आठ बजकर 12 मिनट पर पांच तीव्रता का और पांचवां झटका रात सवा ग्यारह बजे 4.5 तीव्रता का लगा । पूर्वोत्तर और अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्र में आता है। एनसीएस के प्रमुख (परिचालन) जे एल गौतम ने बताया कि अंडमान निकोबार द्वीप समूह के लिए इतने कम समय में इतने झटके आना असमान्य नहीं है । पिछले साल महज दो-तीन दिनों में 50 झटके आए थे। एनसीएस ने बताया कि मिजोरम में भूकंप अपराह्न तीन बजकर 56 मिनट पर आया और इसका केन्द्र चंफाई के दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम में 33 किलोमीटर दूर 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। मिजोरम में रात दस बजकर तीन मिनट और 10 बजकर 35 मिनट पर क्रमशः 5.1 और 3.7 तीव्रता का भूकंप आया।

पश्चिम बंगाल में दिल्ली,मुंबई समेत 6 शहरों की उड़ानों पर 31 जुलाई तक लगाई रोक

कोलकाता। देश में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ने के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित छह शहरों से कोलकाता के लिये यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध 31 जुलाई तक के लिए बढ़ा दिया गया है। हवाईअड्डा सूत्रों ने यह जानकारी दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा ने ट्वीट किया, ''दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, नागपुर ओर अहमदाबाद से कोलकाता हवाईअड्डा आने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध बढ़ा कर 31 जुलाई तक कर दिया गया है। इससे पहले हवाईअड्डा ने यह घोषणा की थी कि छह जुलाई से 19 जुलाई तक इन छह शहरों से कोई उड़ान शहर में नहीं आएगी।

कपिल सिब्बल का सरकार पर तंज, कहा- पहले देश को डिजिटल बनाइए, फिर डिजिटल परीक्षा लीजिए

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने विश्वविद्यालयों में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं सितंबर के अंत तक ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कराने के फैसले को लेकर शुक्रवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले सही मायनों में देश को डिजिटल बनाया जाए और फिर डिजिटल परीक्षा की बात हो। ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस की दिल्ली इकाई की ओर से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री ने यह भी कहा कि कोरोना महामारी का संकट खत्म होने के बाद परीक्षाएं ली जाएं। उन्होंने कहा, ''हम यह नहीं कह रहे हैं कि परीक्षा मत लीजिए। हमारा सिर्फ यह कहना है कि परीक्षा उस वक्त लीजिए जब चीजें सामान्य हो जाएं। फिलहाल के लिए छात्रों को प्रोन्नति देने के लिए उनके पिछले प्रदर्शन पर विचार किया जाए। सिब्बल ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा, ''आप डिजिटल इंडिया के बारे में बातें करते रहते हैं, लेकिन देश को डिजिटल तौर पर नहीं जोड़ते हैं। यह किस तरह की राजनीति है? पहले डिजिटज इंडिया बनाइए और फिर डिजिटल परीक्षा लीजिए। उन्होंने कहा कि सभी छात्रों के पास इन्टरनेट की सुविधा नहीं है, देश के कितने ही परिवारों की इतनी सालाना आय ही नहीं है की वो स्मार्ट फ़ोन खरीद सकें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पूर्व प्रमुख सुखदेव थोराट और अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति ज़मीरूद्दीन शाह ने भी इस कार्यक्रम में अपनी बात रखी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के मुताबिक, विश्वविद्यालयों में अंतिम वर्ष की परीक्षाएं सितंबर के अंत तक आयोजित होंगी। यूजीसी के दिशा-निर्देशों में कहा गया है, विश्वविद्यालय अथवा संस्थान द्वारा अंतिम वर्ष की परीक्षाएं ऑनलाइन, ऑफलाइन या दोनों माध्यमों से सितंबर अंत तक आयोजित की जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन में कोरोना का प्रकोप फिर शुरू, ऑस्ट्रेलिया में संक्रमण के केसों में आई भारी कमी

बीजिंग।

चीन के सुदूर पश्चिमी हिस्से में कोविड-19 महामारी का प्रकोप फिर शुरू हो गया है और संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़ कर 17 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को बताया कि शिनजियांग क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 16 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले यह संख्या एक थी। चीन में मार्च में कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के बाद उरुमकी शहर में संक्रमण का नया दौर शुरू हो गया। इससे पहले बीजिंग में 330 से अधिक लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। चीन की मीडिया के अनुसार उरुमकी शहर में अधिकारियों ने सबवे, बसों और टैक्सियों की संख्या घटा दी है साथ ही कुछ रिहायशी इलाकों को बंद कर दिया गया है। साथ ही लोगों के शहर छोड़ कर जाने पर पाबंदी लगाई गई है। गौरतलब है कि चीन पर मुस्लिम बहुल शिनजियांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप हैं। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया स्टेट में शनिवार को कोविड-19 के मामलों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को कोविड-19 के रिकॉर्ड 428 मामले सामने आने के बाद शनिवार को 217 नए मामले सामने आए। इसके बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ब्रेट सटन ने कहा कि कल के आंकड़ों के बाद यह राहत देने वाला था। स्वास्थ्य विभाग ने शनिवार को बताया कि विक्टोरिया स्टेट में एक पुरुष और एक महिला की कोविड-19 संक्रमण के कारण मौत हो गई। दोनों मरीजों की उम्र 80 वर्ष से अधिक थी। इसके साथ ही राज्य में संक्रमण से होने वाली मृतक संख्या 34 और देश में 118 हो गई। विक्टोरिया के प्रीमियर डेनियल एंड्र्यूज ने कहा कि ये ताजे आंकड़ें उत्साहवर्द्धक हैं लेकिन यह केवल एक दिन का आंकड़ा है। उन्होंने कहा, हम एक पैटर्न देखना चाहते हैं ।

युएस के अटॉर्नी जनरल विलियम बर्र ने चीन को लगाई लताड़, अमेरिकी कंपनियों भी दी चेतावनी

वाशिंगटन।

दक्षिण चीन सागर, हांगकांग, व्यापार, कोरोनावायरस महामारी आदि मुद्दों को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुका है। अमेरिका के अटॉर्नी जनरल विलियम बर्र ने गुरुवार को चीन को जमकर लताड़ लगाई। बर्र ने कहा कि दुनिया की प्रमुख महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए चीन जानबूझ कर अमेरिका को ÷इकनॉमिक्स ब्लिट्जक्रेग÷ में उलझाना चाहता है। बैंकॉक पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मिशिगन के ग्रैंड रैपिड्स में एक भाषण में बर्र ने चीनी सरकार पर व्यापारीवादी दृष्टिकोण का आरोप लगाते हुए कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना अब थिंक ब्लिट्जक्रेग यानि आर्थिक तबाही में लगा हुआ है जो कि आक्रामक और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अमेरिका के शीर्ष अमेरिकी कानूनी अधिकारी बर्र ने कहा कि ÷यह स्पष्ट है कि चीन न केवल अन्य उन्नत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं के रैंक में शामिल होना चाहता है, बल्कि उन्हें पूरी तरह से बदलने की तैयारी कर रहा है। । उन्होंने अमेरिकी कंपनियों को चीन पर निर्भरता के खिलाफ चेतावनी दी कि वह मेडिकल सप्लाई जैसे जरूरी सामान का उत्पादन करे और चीनी दबाव में न आएं । उन्होंने कहा कि अगर डिज़नी और अन्य अमेरिकी निगम बीजिंग के सामने झुकना जारी रखते हैं, तो वे अपनी भविष्य की प्रतिस्पर्धा और समृद्धि दोनों को कम करने का जोखिम उठाते हैं।

राष्ट्रपति रुहानी का भयावह खुलासा: ईरान के 2.5 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस को लेकर ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बेहद ही भयावह खुलासा किया है। ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने शनिवार को कहा कि 25 मिलियन यानि अढ़ाई करोड़ ईरानी कोरोनावायरस से संक्रमित हो गए हैं और साढ़े तीन करोड़ अन्य लोगों को वायरस के चपेट में आने का खतरा मंडरा रहा है। रूहानी ने कहा कि ये आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय की एक नई रिपोर्ट पर आधारित हैं। बता दें कि 8 करोड़ से अधिक की आबादी वाले मध्य पूर्वी देश ईरान महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित है। रूहानी ने भाषण में कहा, हमारा अनुमान है कि अब तक 25 मिलियन ईरानी इस वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और लगभग 14,000 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं व कुल 200,000 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए हैं। बता दें कि कोरोना वायरस की मार जिन देशों पर सबसे ज़्यादा पड़ी है, उनमें से एक ईरान है। रुहानी के इश खुलासे पहले कई बार ईरान सरकार पर आरोप लग चुके हैं कि सरकार वास्तविक आँकड़ों को कम करके दिखा रही है। आलोचकों का कहना है कि ईरान सरकार लगातार कोरोना के ख़तरे को कम करके दिखाती रही। 19 फरवरी को पहली घोषणा में सरकार ने लोगों से कहा था कि वो वायरस से व घबराएं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली ख़ामेनेई ने भी ईरान के दुश्मनों पर ख़तरे को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने का आरोप लगाया था।

अमेरिकी चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे रूस और चीन : बाइडेन

वाशिंगटन।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि उन्हें ऐसी खुफिया सूचना मिली है कि रूस, चीन तथा अन्य शत्रु देश नवंबर में होने वाले चुनावों में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे हैं। बाइडेन ने निधि जुटाने के लिए एक डिजिटल कार्यक्रम को शुक्रवार रात संबोधित करते हुए यह बात कही। हालांकि उन्होंने किसी तरह का कोई सबूत या सटीक जानकारी नहीं दी। बाइडेन ने शुक्रवार को कहा, ''...मैं अब जानता हूं कि क्योंकि मुझे फिर से गोपनीय सूचना मिल रही है। रूस अब भी इसमें लगा हुआ है। वह हमारी चुनाव प्रक्रिया में दखल देने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, ''चीन और अन्य देश भी इसमें लगे हुए हैं। व्हाइट हाउस और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने बाइडेन के बयान पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। फोन करने पर बाइडेन के प्रवक्ता ने और जानकारियां अभी देने से इनकार कर दिया। साथ ही, बाइडेन ने फिर आरोप लगाया कि ट्रंप डाक विभाग का वित्त पोषण रोकने की कोशिश कर सकते हैं ताकि वे मतपत्रों से चुनाव न करा सकें।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में पाक कार्यकत्ताओं ने पाक वाणिज्य दूतावास के बाहर किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

लंदन। ब्रिटेन के बर्मिंघम में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के मानवाधिकार और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान के महावाणिज्य दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और 14 वें संविधान संशोधन के प्रस्ताव को लेकर ज्ञापन भी सौंपा। महावाणिज्य दूत अहमर इस्माइल को लिखे पत्र में कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे स्पष्ट रूप से प्रस्तावित 14 वें संशोधन को अस्वीकार करते हैं । उन्होंने कहा कि तथाकथित आजाद कश्मीर (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) के लोगों की मांग है कि यहां मौलिक मानवाधिकारों का अनुपालन करने लिए कानूनी शासन स्थापित किया जाए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि कानून मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित 14 संशोधन 1973 के पाकिस्तान के संविधान के 257 के अनुच्छेद का उल्लंघन है, जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान और राज्य का निर्धारण उस राज्य के लोगों की इच्छा के अनुसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका विरोध सात दशक से अधिक समय तक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान के लोगों ज्यादतियों के खिलाफ है। कार्यकर्ताओं ने मंगला डैम, नीलम जेहलम और अन्य संसाधनों की पनबिजली परियोजनाओं में रॉयल्टी की उचित हिस्सेदारी की मांग की, और पाकिस्तान के लोगों की तरह ही उन्हें कश्मीर में मुफ्त साफ पानी और मुफ्त बिजली प्रदान की मांग भी की।

पाक विमानन अधिकारियों ने फर्जी लाइसेंस रखने वाले 15 और पायलटों को निलंबित किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विमानन अधिकारियों ने संदिग्ध लाइसेंस रखने वाले 15 और पायलटों को निलंबित कर दिया है, जिससे देश में फर्जी लाइसेंस से विमान उड़ाने वाले पायलटों की संख्या 93 हो गई है। यह जानकारी शनिवार को मीडिया की खबरों में दी गई। 'डॉन' अखबार ने खबर दी है कि ये उन 262 पायलटों में शामिल हैं, जिन्हें संदिग्ध लाइसेंस रखने के कारण ड्यूटी से हटा दिया गया है और पिछले महीने विमानन मंत्रालय ने उनके खिलाफ जांच शुरू की है। विमानन विभाग के प्रवक्ता अब्दुल सत्तार खोखर ने कहा कि जांच बोर्ड ने ऐसे 262 पायलटों की पहचान की जिनके पास फर्जी लाइसेंस था। सरकार के निर्देश के बाद उन्हें तुरंत ड्यूटी से हटा दिया गया। उन्होंने कहा कि 262 पायलटों में से संघीय कैबिनेट ने 28 के लाइसेंस रद्द करने की मंजूरी दी। 28 पायलट किसी तरह की फ्लाइंग ड्यूटी नहीं कर सकेंगे और उपयुक्त कानूनी प्रक्रियाओं के बाद उनके लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं जिसके तहत पायलटों को सुनवाई का अवसर दिया गया है। निर्णय लिए जाने से पहले कैबिनेट ने दो बार उनके मामले में विचार-विमर्श किया।

28 बिलियन के कर्ज वेव ऑफ करने की तैयारी में अमेरिकी बैंक

न्यूयार्क।

कोरोना वायरस के कारण अमेरिका के तीन बड़े बैंकों को 28 बिलियन डॉलर (करीब 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपए) के कर्ज डूबने का अंदेशा है। इस तिमाही में सिर्फ जेपी मोर्गन के खाताधारकों ने 10.5 बिलियन डॉलर, वेल्स फार्गो को 9.57 बिलियन डॉलर और सिटी ग्रुप के खाताधारकों ने 7.9 बिलियन डॉलर के कर्ज का डिफॉल्ट किया है। जेपी मोर्गन और सिटी ग्रुप के मुनाफे में इस वित्त वर्ष की तिमाही के नतीजों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है जबकि वेल्स फार्गो को भी 2008 के बाद पहली बार नुकसान झेलना पड़ा है। इन तीनों बड़े बैंकों ने संभावित नुकसान की भरपाई के लिए 28 बिलियन डॉलर की रकम रिजर्व रख ली है और बैंक अब इतनी रकम के लोन 'वेव ऑफ' करने की तैयारी कर रहे हैं। जेपी मोर्गन बैंक के मुख्यकार्यकारी जैमी डायमंड ने कहा कि फिलहाल स्थितियां सामन्य लग रही हैं क्योंकि लोगों की आय बढ़ी है, लोगों ने बचत बढ़ाई है, घरों की कीमतों में तेजी है लेकिन ये तस्वीर का एक पहलू है और मंदी का असल असर अभी सामने आना बाकी है और यदि आर्थिक स्थिति और ज्यादा खराब हुई तो बैंकों को और ज्यादा नुकसान होगा क्योंकि खाताधारक ज्यादा डिफॉल्ट करेंगे। हमें नहीं पता कि ये कहां रूकेगा क्योंकि ये सामान्य रिसेशन नहीं है। कर्ज के डिफॉल्ट के कारण जेपी मोर्गन के आय पिछले साल के मुकाबले आधी रह गई है और इस साल ये 4.4 बिलियन डालर दर्ज की गई है जबकि सिटी ग्रुप ने इस साल 1.3 बिलियन डॉलर की आय दर्ज की है और यह पिछले साल के मुकाबले 73 प्रतिशत कम है। हालांकि अमेरिका के शेयर बाजारों में तेजी होने के कारण बैंकों को थोड़ा सहारा मिला है। सरकार द्वारा जारी किए गए राहत पैकेज के कारण वित्त बाजारों और असल आर्थिक स्थिति के बीच एक बड़ी खाई पैदा हो गई है। फिक्स इनकम ट्रेडिंग बूम के कारण बाजार मार्च की अपने न्यूनतम स्तर से काफी हद तक उबर गए हैं और निवेशकों द्वारा दिखाई गई रूचि के कारण बैंकों को थोड़ा सहरा मिला है। राहत पैकेज के चलते फिलहाल आर्थिक माहौल सुहावना लग रहा है लेकिन जैसी आर्थिक पैकेज का असर खत्म होगा तो इकॉनमी की असल तस्वीर सामने आएगी और ये तस्वीर ज्यादा अच्छी नहीं है क्योंकि सिर्फ अमेरिका में ही जून की बेरोज़गारी की सिर्फ अमेरिका में ही जून की बेरोज़गारी की दर 11.1 फीसदी तक पहुंच गई थी और इस तिमाही में जीडीपी में भी 5 फीसदी तक कि गिरावट देखी गई है।

चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में कोरोना वायरस संक्रमण का प्रकोप फिर शुरू

बीजिंग। चीन के सुदूर पश्चिमी हिस्से में कोविड-19 महामारी का प्रकोप फिर शुरू हो गया है और संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़ कर 17 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को बताया कि शिनजियांग क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 16 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले यह संख्या एक थी। चीन में मार्च में कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के बाद उरुमकी शहर में संक्रमण का नया दौर शुरू हो गया। इससे पहले बीजिंग में 330 से अधिक लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी।चीन की मीडिया के अनुसार उरुमकी शहर में अधिकारियों ने सबवे, बसों और टैक्सियों की संख्या घटा दी है साथ ही कुछ रिहायशी इलाकों को बंद कर दिया गया है। साथ ही लोगों के शहर छोड़ कर जाने पर पाबंदी लगाई गई है। गौरतलब है कि चीन पर मुस्लिम बहुल शिनजियांग में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोप हैं।

अमेरिका का फिर ड्रेगन पर हमला: पोम्पियो बोले- दुनियाभर के संचार नेटवर्क पर कब्जे की कोशिश कर रहा चीन

वॉशिंगटन।

कोरोना वायरस को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कोरोना महामारी दुनियाभर में फैलने के बाद अमेरिका लगातार चीन के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाए हुए है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने एक बार फिर से चीन पर हमला बोलते हुए कहा कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी हांगकांग की स्वतंत्रता के लिए खतरा बनी हुई है और आजाद ताइवान को धमका रही है। ये लोग दुनियाभर के संचार नेटवर्क पर अधिपत्य जमाने की कोशिश कर रहे हैं। पोंपियो ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले उन्होंने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को लेकर एक रिपोर्ट पढ़ी थी, जिसके अनुसार ष्टष्टक्र पश्चिमी चीन में चीनी मुसलमानों का सामूहिक गर्भपात और उन्हें नसबंदी के लिए मजबूर कर रही है। मानवाधिकारों के खिलाफ यह अबतक के कुछ सबसे जघन्य उल्लंघन के मामले हैं, जिसे मैंने इस शताब्दी के दाग के रूप में संदर्भित किया था। बता दें कि इससे पहले अमेरिका ने हांगकांग स्वायत्तता कानून को पास किया था। अमेरिका ने चीन को पड़ोसी देशों को लेकर साफ चेतावनी दी थी और कहा था कि अगर चीन मित्र देशों को परेशान करेगा तो अमेरिका दक्षिण चीन सागर से हिमालय तक अपने मित्र देशों के साथ खड़ा रहेगा और उनके साथ रहेगा। ऐसे में अमेरिका ने साफ तौर पर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वह हर हालात में भारत के साथ खड़ा रहेगा। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया है कि जब दुनिया कोरोना से लड़ रही है तो चीन अपने गलत अभियान को आगे बढ़ाने में जुटा हुआ है। चीन को लगता है कि वह जो कुछ भी कर रहा है सही है, लेकिन ऐसा नहीं है। दक्षिण चीन सागर के मुद्दे का सीधे तौर पर आर्कटिक, हिंद महासागर, भूमध्यसागर के साथ अन्य जलमार्गों पर पड़ता है। दक्षिण चीन सागर मसले का असर हर देश और नागरिक पर पड़ता है दक्षिण चीन सागर के मुद्दे का सीधे तौर पर आर्कटिक, हिंद महासागर, भूमध्यसागर के साथ अन्य जलमार्गों पर पड़ता है। दक्षिण चीन सागर मसले का असर हर देश और नागरिक पर पड़ता है जो समुद्र की स्वतंत्रता पर निर्भर है।

अमेरिका में बिना मास्क के घूम सकते हैं लोग, ट्रम्प बोले- नागरिकों को मिलनी चाहिए आजादी

नेशनल डेस्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के नागरिकों को कोरोना वायरस (कोविड-19) के फैलने से रोकने के लिए मास्क पहनने का आदेश नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वह देश में मास्क पहनना अनिवार्य बनाने के पक्ष में नहीं हैं। फोक्स न्यूज से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि लोगों को कुछ आजादी मिलनी चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जबकि संक्रामक बीमारी के विशेषज्ञ डॉ. एथंथोनी फौसी ने राष्ट्रीय और स्थानीय नेताओं को अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर लोगों को मास्क पहनने के लिए प्रेरित करने की अपील की है। राष्ट्रपति ने कहा कि यह अति आवश्यक है और हम लोगों को मास्क पहनना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में मास्क का उपयोग करना एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है और इस पर लोगों का अलग-अलग मत है। श्री ट्रम्प गत शनिवार को पहली बार सार्वजनिक तौर पर मास्क पहने हुए नजर आए थे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में मास्क का उपयोग करना एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है और इस पर लोगों का अलग-अलग मत है। श्री ट्रम्प गत शनिवार को पहली बार सार्वजनिक तौर पर मास्क पहने हुए नजर आए थे।

पाकिस्तान ने बहुपक्षवाद पर संयुक्त राष्ट्र के उच्चस्तरीय सत्र में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया

संयुक्त राष्ट्र । पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में बहुपक्षवाद पर एक उच्चस्तरीय सत्र के दौरान शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। साथ ही उसने सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता में विस्तार का भी विरोध किया। हाल ही में कोविड-19 से उबरे पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने अपने संबोधन के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षवाद की पूरी अवधारणा वर्चस्ववाद, जबरदस्ती और मनमाने ढंग से बल प्रयोग के कारण खत्म हो गई है। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर के लोगों पर किए जा रहे जुल्म और ज्यादतियों के लेकर चिंतित है। उन्होंने सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता में विस्तार का भी विरोध किया। उल्लेखनीय है कि भारत सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का प्रबल दावेदार है और वह बार-बार इस विश्व निकाय में सुधार तथा विस्तार की पैरवी करता रहा है।

दुनिया में 1.40 करोड़ के पार हुए संक्रमित, कोरोनामुक्त न्यूज़ीलैंड में फिर वायरस की दस्तक

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया में कोरोना महामारी की चपेट में आए मरीजों का कुल आंकड़ा 1 करोड़ 40 लाख से अधिक हो गया है। इस वायरस के कारण 6 लाख से अधिक मौते हो चुकी हैं। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के अनुसार, शनिवार सुबह तक संक्रमण के कुल मामले 1 करोड़ 40 लाख 49 हजार 207 है और इससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 6 लाख 1 हजार 4 94 हो गया है। उधर कोरोनामुक्त हो चुके न्यूजीलैंड में वायरस ने फिर दस्सतक दे दी है। यहां कोविड-19 का एक नया मामला दर्ज किया गया है। स्वस्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि जिस व्यक्ति में इस वायरस के पाये जाने की पुष्टि हुई है वह 12 जुलाई को मध्य अफ्रीका से तंजानिया, दोहा तथा ब्रिस्बेन होते हुए न्यूजीलैंड आया था। उसे अभी ऑकलैंड में क्वारंटीन केंद्र में रखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में इस समय कोरोना के 22 सक्रिय मामले हैं। वहीं अब देश में इस संक्रमण से अब तक प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1200 हो गयी है। अब तक यहां 441123 लोगों की जांच हो चुकी है। यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम्स साइंस एंड इंजीनियरिंग के आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में संक्रमण के मामले में अमेरिका पहले नंबर पर है। यहां संक्रमण के मामले 36 लाख 41 हजार 4 सौ 17 हो गए हैं वहीं मरने वालों का आंकड़ा 1 लाख 39 हजार 1 सौ 75 है। मेरिका के बाद संक्रमण के मामले में दूसरा स्थान ब्राजील का है जहां अब तक 10 लाख से अधिक मामले हैं। मामलों के क्रम में भारत तीसरे स्थान पर है जहां संक्रमण का आंकड़ा 10 लाख 3 हजार 8 सौ 32 है। इसके बाद रूस में 7 लाख 58 हजार मामले हैं। मैक्सिको में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से 736 लोगों की मौत होने से इस महामारी से मरने वालों की संख्या 38 हजार का आंकड़ा पार कर 38,310 हो गयी है। मैक्सिको के उप स्वास्थ्य मंत्री हुजो लोपज-गटेल ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस दौरान देश में कोरोना संक्रमण के 7257 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या 3,31,298 हो गई। इससे एक दिन पहले लैटिन अमेरिकी देश में कोरोना संक्रमण के 6406 नए मामले सामने आये थे जबकि इस महामारी से 668 लोगों की मौत हुई थी। कोविड-19 से गंभीर रूप से जूझ रहे लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 34,177 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की संख्या 20 लाख का आंकड़ा पार कर 20,46,328 हो गयी है। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में पिछले 24 घंटों के दौरान इस महामारी से 1163 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 77 हजार के आंकड़े को पार कर 77,851 पहुंच गयी है। ब्राजील में 13,97,000 से अधिक लोग कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। इससे एक दिन पहले ब्राजील में कोरोना संक्रमण के 45,403 नये मामले सामने आए थे और कोविड-19 से 1322 लोगों की मौत हुई थी। एक दिन पहले की तुलना में ब्राजील में कोरोना संक्रमण के नये मामलों में कमी आई है। तुर्की में पिछले 24 घंटों के दौरान इसके संक्रमण के 926 नये मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2,17,799 हो गयी है जबकि इस दौरान 18 मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5458 हो गयी। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फाहरेतिन कोका ने शुक्रवार को ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। तुर्की में 10 जून के बाद कोरोना संक्रमण के सबसे कम नए मामले सामने आए हैं। तुर्की में यह लगातार चौथा दिन है जब नये मामलों की संख्या एक हजार से नीचे रही है। तुर्की में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 1014 मरीजों को पूरी तरह से ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,918 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,918 मामले सामने आए जिसके बाद देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,61,917 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। संक्रमण के कुल मामलों में से 1,98,509 मरीज ठीक हो चुके हैं और इस महामारी से 5,522 मरीजों की मौत हो चुकी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने कहा कि अभी देश में 57,886 मरीजों का उपचार चल रहा है। मंत्रालय के अनुसार सिंध में संक्रमण के 1,11,238 मामले, पंजाब में 89,465, खैबर पख्तूनख्वा में 31,669, इस्लामाबाद में 14,504, बलूचिस्तान में 11,405, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 1,840 और गिलगित बल्तिस्तान में 1,796 मामले सामने आ चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि प्राधिकारियों ने पिछले चौबीस घंटे में 23,011 नमूनों की कोरोना वायरस जांच की और अब तक कुल 16,99,101 नमूनों की जांच की जा चुकी है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री इमरान खान ने ट्वीट कर कहा कि पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आई है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना से ठीक हुई वृद्धा को बीच रास्ते में उतारा घर पर कुछ देर बाद मौत

क्रांति समय सुरत

सूरत, शहर में कोरोना के बढ़ते कहर के बीच अस्पताल की गंभीर लापरवाही सामने आई हैं।

कापोद्रा निवासी एक महिला को कोरोना के उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया था। महिला को घर छोड़ने जा रही महानगर पालिका की बस ने उसे बीच रास्ते में उतार दिया।

किसी प्रकार अपने घर पहुंची महिला की कुछ ही देर में मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक कापोद्रा क्षेत्र की ठा. कोरबा सोसायटी निवासी महिला की 13 जुलाई को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे शहर के स्मीमेर अस्पताल में भर्ती कराया गया थां।

उपचार के बाद शुक्रवार की शाम 6 बजे महिला के पुत्र शैलेष चोवटिया को फोन कर बताया गया कि उसकी माता को डिस्चार्ज कर दिया गया हैं ।

फोन के बाद शैलेष चोवटिया घर के निकट सड़क पर अपनी माता के आने के इंतजार कर रहे थे।

8 बजे शैलेष को फोन आया कि आप अपनी माता को बंबाखाना के निकट आकर ले जाओद्य शैलेष तुरंत गाड़ी लेकर बंबाखाना पहुंचे।

पता चला कि महानगर पालिका की टीम में बस में जगह नहीं होने के बहाने उनकी माता को बीच रास्ते में उतार दिया थां ।

शैलेष चोवटिया अपनी माता को लेकर घर पहुंचे घर पहुंचने के कुछ देर बाद शैलेष की माता की मौत हो गई।

घटना के बाद परिवार के हंगामे के बाद महानगर पालिका की टीम शैलेष घर पहुंची और उनकी माता के शव को पोस्टमार्टम के लिए स्मीमेर अस्पताल भेज दिया।

मंत्री के बेटे को रोकने वाली महिला कांस्टेबल की पीएम मोदी से मिलने की इच्छा

अहमदाबाद (एजेसी) कुछ दिन पहले सूरत में राज्य सरकार के मंत्री कुमार कानाणी के बेटे प्रकाश कानाणी को कानून का सबक सिखाने को लेकर चर्चा में आए महिला कांस्टेबल सुनीता यादव का विवादित फेसबुक लाइव सामने आया है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने की इच्छा जाहिर की है। करीब 55 मिनट के फेसबुक लाइव में सुनीता यादव ने कहा कि उनका मंत्री या मंत्री के पुत्र से कोई समस्या नहीं हैं।

लेकिन उस दिन कुछ गलती हुई थी। सुनीता ने कहा कि मेरा परिवार ही मेरी दुनिया है और इसीलिए मुझे लोगों के मदद की जरूरत है।

परंतु लोग मुझे समझ नहीं रहे। मुझे ख्याति पाने का कोई शौक नहीं है।

मैं अपने घर में कैद हूं और मुझे बाहर निकलने नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि मुझे न तो मंत्री का डर है और न ही मंत्री के बेटे सेद्य मुझे कोई पुरस्कार

नहीं बल्कि मुझे और परिवार को शांति जीने दिया जाए। आज मेरी साथ पूरी दुनिया नहीं है, लेकिन मैं जीना चाहती हूं। जिसमें लोगों का समर्थन तो दूर लोग मुझे ही कठघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। सुशातसिंह राजपूत का उल्लेख करते हुए सुनीता यादव ने कहा कि जब वह जीवित थे, तब उनकी किसी ने मदद नहीं की।

मैं उस पुलिस जवान की आभारी हूं, जो घटना के वक्त मेरे साथ नहीं होता तो मेरे साथ निर्भयाकांड हो सकता था। उन्होंने कंगना राणावत ऐसी शेरनी है जो लोगों के मुंह पर बोलने का दम रखती हैं। सुनीता ने कहा कि उन्हें लोगों का सपोर्ट चाहिएद्य कोई दूसरा मुझे मारे उससे पहले मैं खुद मर जाना चाहती हूंद्य सुनीता ने कहा कि उनकी बाद सिस्टम के ऊपर के लोगों तक पहुंचाएंद्य पीएम मोदी, सेना प्रमुख और एनसीसी कैडेट से प्रार्थना है कि मेरी मदद करें।

आगे की रणनीति बनाने में मददगार होंगे केंद्रीय टीम के सुझावः मुख्यमंत्री

कोरोना से निपटने गुजरात के प्रयासों से प्रभावित हुई केंद्रीय टीम

अहमदाबाद (एजेसी) मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के केंद्र सरकार से अनुरोध के चलते गुजरात में कोरोना कोविड–19 संबंधित कार्यों की देखरेख, समीक्षा और मार्गदर्शन के लिए आई केंद्रीय टीम ने राज्य में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण और जन जागरूकता के उपायों की प्रशंसा की है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद पॉल, आईसीएमआर के निदेशक डॉ. बलराम भार्गव, एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव आरती आहूजा ने मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और राज्य के वरिष्ठ सचिवों के साथ गांधीनगर में मुख्यमंत्री आवास पर उच्चस्तरीय बैठक कर सर्वग्राही समीक्षा की। मुख्यमंत्री के साथ हुई इस बैठक में केंद्रीय टीम ने साफ कहा कि गुजरात ने विशेषकर आरोग्य सेतु एप के सुनियोजित उपयोग के आधार पर ग्रामीण स्तर तक कंटेन्मेंट जोन निर्धारित करने, धन्वंतरि रथ के माध्यम से लोगों को घर की चौखट पर स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराने तथा सामुदायिक कोविड सेंटर खड़ा करने की जो पहल की है वह देश के अन्य राज्यों के लिए मिसाल साबित होगी।

इस केंद्रीय टीम ने सूरत और अहमदाबाद का दौरा कर कंटेन्मेंट एरिया एवं कोविड हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्रीय टीम के सुझावों व मार्गदर्शन के आधार पर राज्य सरकार आगे की रणनीति बनाएगी और कोरोना के खिलाफ जंग अवश्य जीतेगी। उन्होंने केंद्रीय टीम को बताया कि राज्य में कोरोना संक्रमण के नियंत्रण के लिए प्रत्येक जिले में डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल तैयार किए गए हैं।

रूपाणी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड के जरिए राज्य के अस्पतालों के वार्ड और उपचार सेवा की रियल टाइम मॉनिटरिंग मुख्यमंत्री आवास से वे स्वयं कर सकते हैं। इसके लिए विकसित किए डैशबोर्ड से उन्होंने टीम को अवगत कराया। सीएम डैशबोर्ड की इस सफलता से केंद्रीय टीम काफी प्रभावित हुई। गुजरात में उद्योगों के फिर से कार्यरत होने और रोजी–रोटी के लिए प्रवासी श्रमिकों के फिर से गुजरात आने के मद्देनजर केंद्रीय टीम ने सुझाव दिया कि उन श्रमिकों के स्वास्थ्य कल्याण, स्क्रीनिंग, अच्छी आदतें अपनाने का प्रशिक्षण और मेडिकल चेकअप सहित एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाकर देश के लिए गुजरात इस क्षेत्र में भी रोल मॉडल बन सकता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय टीम को जानकारी दी कि गुजरात में कोरोना संक्रमितों के उपचार के मार्गदर्शन और लोगों को सतर्क रहने की सीख देने में सरकार की सहायता के लिए राज्य के श्रेष्ठ चिकित्सकों के एक्सपर्ट ग्रुप ऑफ डॉक्टर्स का गठन किया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल ने भी स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे और सरकारी हॉस्पिटलों में कोरोना की श्रेष्ठ उपचार सुविधा से टीम को वाकिफ कराया।

बिजली कंपनी ने गरीब किसान को भेजा 39000 का बिल

भुगतान नहीं करने पर कनैक्शन काटा

क्रांति समय सुरत

अरवल्ली , उत्तरी गुजरात की बिजली कंपनी ने एक गरीब किसान को रु. 39000 का बिजली भेजा है और उसका भुगतान नहीं करने पर बिजली कनैक्शन काट दियाद्य गौर करने वाली बात यह है कि किसान के घर पर टीवी और फ्रीज जैसे कोई उपकरण नहीं हैं ।

घर में केवल एक बल्ब जलता है,जिसके लिए बिजली कंपनी ने भारी भरकम बिल किसान को भेजा है।

जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले की मेघरज तहसील के खाखरिया गांव कानाभाई अपने परिवार के साथ रहते हैं और खेती कर जीवनयापन करते हैंद्य परिवार में तीन बच्चे और पत्नी हैं।

कानाभाई के घर में केवल एक बिजली का बल्ब जलता है और उसकी रोशनी में बच्चे पढ़ाई करते हैं।

बिजली कंपनी प्रति दो महीने में बिल जारी करती है।

दिसंबर महीने में कानाभाई के घर का बिजली का बिल 1700 रुपए आया थाद्य जिसके बाद आगे महीने का बिल 32000 रुपए भेजा गया।

बिजली बिल की रकम देख कानाभाई के पैरों तले जमीन खिसक गई।

इस संदर्भ में कानाभाई ने बिजली कंपनी में लिखित शिकायत की और कहा कि उनके घर पर एक बल्ब के अतिरिक्त कोई बिजली से चलने वाला उपकरण नहीं हैं ।

इसके बावजूद 32000 का बिल कैसे आयां। बिजली बिल का भुगतान नहीं करने पर कानाभाई के घर का बिजली कनैक्शन काट दिया गया।

इतना ही नहीं बिजली कनैक्शन काटने के बावजूद दूसरे बिल में अतिरिक्त 7000 रुपए जोड़कर कुल रु. 39936. 81 का बिल कानाभाई को थमा दिया गया।

फिलहाल बिजली कंपनी को घोर लापरवाही का खामियाजा का कानाभाई भुगत रहे हैं और भीषण गर्मी व अंधेरे में परिवार के साथ जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

वनबंधुओं के कारण सुरक्षित है वन संपदा, वन और वन्य जीव सृष्टिः मुख्यमंत्री

वलसाड़ जिले के 9147 आदिवासियों को वन भूमि आवंटन के अधिकार पत्र का डिजिटली वितरण

अहमदाबाद (एजेसी)द्य मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने साफ कहा है कि राज्य की वन संपदा, वन और वन्य जीव सृष्टि वनबंधुओं के योगदान के कारण ही सुरक्षित रहे हैं। शनिवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत वलसाड़ जिले के दुर्गम आदिवासी क्षेत्रों कपराड़ा, धरमपुर और उमरगाम के 1147 वनबंधुओं को 299 हेक्टेयर वन भूमि आवंटन के मंजूरी पत्र तथा 8000 वनबंधुओं को अधिकार पत्र (पट्टे) का डिजिटल वितरण करते हुए उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी जंगल के साथ नाता रखने वाले वनबंधुओं ने वनों का जतन किया है। बरसों से भूमि जोतने वाले ऐसे वनबंधुओं को जंगल की जमीन का मालिक बनाने के दृष्टिकोण से सरकार अब उन्हें जंगल जमीन आवंटन अधिकार दे रही है। आदिजाति कल्याण और वन मंत्री गणपतसिंह वसावा ने इस अवसर पर कपराड़ा में उपस्थित रहकर प्रतीक के तौर पर ये अधिकार पत्र लाभार्थी वनबंधुओं को सौंपे। अंबाजी से उमरगाम की आदिवासी पट्टी के 14 जिलों में राज्य सरकार ने अब तक 91400 व्यक्तिगत और 4569 सामूहिक दावों को मंजूर किया है। इन दावों में 149540 एकड़ जमीन वनबंधुओं को मिली है। वहीं, सामूहिक दावों के तहत 11 लाख 60 हजार एकड़ से अधिक जमीन मंजूर की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गरीब, पीड़ित, वंचित और आदिवासियों की विशेष चिंता की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शुरू की गई वनबंधु कल्याण योजना और पंचायत एक्सटेंशन ओवर शिड्यूल एरियाज एक्ट 1996 (पेसा एक्ट) के अमल से वनबंधुओं के हितों की रक्षा होने

से वंचित आदिवासियों को विकास के नए अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वन भूमि का अधिकार आदिवासी परिवारों को देने के साथ ही पेसा एक्ट के अंतर्गत गौण खनिज और लघु वनोपज के अधिकार भी वनवासियों को देकर राज्य सरकार ने स्थानीय विकास के लिए नया बल प्रदान किया है। रूपाणी ने सरकार द्वारा वनवासियों के कल्याण के लिए बनाई गई अनेक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आदिवासी बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज, सड़क, पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ की धनराशि वनबंधु कल्याण पैकेज के तहत सरकार ने आवंटित की है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के बच्चों को डॉक्टरी के उच्च अभ्यास का अवसर प्रदान करने के लिए वनबंधु क्षेत्रों में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की है। उन्होंने विश्वास जताया कि विश्वव्यापी कोरोना संक्रमण के बीच भी कोरोना के खिलाफ और उसके साथ सतर्कता से जीवन व्यवस्थाएं चालू रखते हुए गुजरात कोरोना के विरुद्ध लड़ाई को जीतेगा और राज्य की विकास यात्रा न रुकेगी और न झुकेगी। मुख्यमंत्री ने आदिवासी समाज के क्रांतिकारियों बिरसा मुंडा और गोविंद गुरु के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि वनवासी समाज की भुजाओं में निहित बल को उजागर कर सरकार अंबाजी से उमरगाम की पूरी आदिवासी पट्टी में विकास के अनेक नए मील के पत्थर स्थापित कर रही है। उन्होंने वनबंधुओं के बुनियादी कार्य को कोरोना संक्रमण के बीच भी संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन को बधाई दी। आदिजाति विकास मंत्री गणपतभाई वसावा ने कपराड़ा से अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और वर्तमान सरकार के दिल में हमेशा आदिवासियों का हित समाहित है।

उन्होंने कहा कि पहले की कांग्रेस सरकार ने गुजरात के आदिवासियों को एक एकड़ भूमि का भी अधिकार तथा सड़क, पानी और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं भी प्रदान नहीं की और केवल वोट बैंक के रूप में आदिवासियों का इस्तेमा किया है। जबकि वर्तमान सरकार ने पानी, शिक्षा, सड़क और बिजली जैसी अनेक सुविधाएं मुहैया कराकर आदिवासी समाज को आर्थिक रूप से सक्षम आत्मनिर्भर बनाया है।

वसावा ने कहा कि राज्य के 14 आदिवासी बहुल जिलों और 53 तहसीलों के 4000 से अधिक गांवों में बसे 90 लाख से अधिक आदिवासी बंधुओं को मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की सरकार ने पेसा एक्ट के तहत विशेष अधिकार प्रदान किए हैं।

350 करोड़ रुपए की लागत से राजपीपला में बिरसा मुंडा यूनिवर्सिटी की स्थापना का कार्य जारी है। आदिवासी समाज में जाति प्रमाण पत्रों को सत्यापित करने का कानून भी मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की सरकार ने विधानसभा में पारित कर आदिवासियों के मूल अधिकारों की रक्षा का कार्य किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत भूमाफिया के लिए TP–56 – TP–58 बना आशीर्वाद

मनपा के कुछ भष्टाचार अधिकारीयों की महेरबानी से

सुरत, गुजरात में ही नही भारत भर सबसे ज्यदातर प्ररन्तियो की संख्या होने से ज्यादा तर लोग अन्य राज्यों से रोजगार की तलाश में आकर रहने लगते हैं लेकिन कुछ भ्रष्टलोगों की वजह से सभी लोगों को परेशानी का समाने करना पड़ाता जिसका नमूना पांडेसारा के एक सोसायटी जो मनपा में रजिस्टर होने के वाबजूद सोसायटी में तीन से चार बार नक्शा बदल कर अन्य सोसायटी की जगह पर कब्जा कर लिया जाता हैं अगर कर्मचारी कोई भी कार्यवाही करने जाते हैं तो उनकी तुरंत बदली कर दिया जाता हैं सूत्रों के पास से मिली जानकारी अनुसार इस सोसायटी में रजिस्टर होने के बावजूद अवैध रूप ने जो मकान,एपार्टमेन्ट, बना हैं उनमें ज्यादातर मकान रोड ,रास्ता, मार्जिन , गार्डन, रिजर्वेशन जगह पर मनपा के अधिकारियो और सोसायटी की प्रमुख की मिली भगत से हो रहा हैं इसमें कई जमीन के दलालों की मनपा के अधिकारियो के साथ अच्छीखासी मिल्कत बना कर बेचने का अवैध तरीके से कारोबार चल रहा हैं,

तक्षशीला कांड के मुख्य आरोपी पी.डी. मुंशी और वी.के परमार भी उधना ज़ोन में कई इस तरह से कांड किया थे जिसके चले आज नही पर कई साल पहले बना तक्षशीला में 22 लोगों के जान जाने के बाद कार्यवाही हुआ अगर इस तरह कई कार्यवाही पहले हो जाते तो शायद इस तरह कई कोई दुर्धटना नही होती लेकिन क्या करे जब भष्टाचार अधिकारीयों की महेरबानी से भूमाफिया के लिए TP–56 – TP–58 बना आशीर्वाद.

जयअंबे सोसायटी पर किसकी महेरबानी ?

सुरत मनपा कार्यपालक से क्या संबंध ?

रेसी. सर्व न.165/2,174,175

ब्लोक न. 273,260

रजिस्टर सोसायटी होने के बाद भी बार–बार हो रहे नक्शा में फेरबदल आखिर क्यों ?

अवैध रूप से किस अधिकारीयों/सेवक की महेरबानी होने से कोई भी कार्यवाही नही हो रही ? क्या किसी के हैं निजी संपर्क कोई अधिकारी से के फिर गुलाबी नोटों का यह कमाल ? पावर ऑफ अटर्नी धारक सोसायटी में मंजुर प्लान से ज्याद प्लोट बना कर बेच रहे है किसकी महेरबानी ?

रिजर्वेशन जगह पर,सोसायटी के रोड पर बनाए मकान क्या नही किया मनपा के कोई कार्यवाही क्या गुलाबी नोटों से किया यह कमाल ?

छोटी सी एक मकान पर जब नोटिस दे सकते हैं तो यहाँ पर क्यों नही ?

अधिकारियो/सेवक की अवैध रूप से अनेक बेनामी संपत्ति आखिर कब होगी जाँच ?

भूतकाल के सभी अधिकारियो की जाँच किया गया तो अनेक करोड़ों की कालाबाजारी सामने आएगा.

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार मनपा उधना ज़ोन में अगर अधिकारियो की संपत्ति जाँच किया जाय तो कई करोडों कई बेनामी संपत्ति मिलगा.

जिसमें कई मनपा के कमर्चारी, अधिकारियों, नगरसेवकों, सोसायटी के प्रमुखों, जमीन दलालों, बिल्डर , कोन्त्रक्टर, कई मिली जगह से अधिकारयों के बेनामी संपत्ति को ठिकाने लगा रहे है,

रिजर्वेशन जगह पर भी प्लोट बना कर कई जमीन दलाल लोगों को बेच देते हैं।

मनपा से सेटिंग्स होने के कारणवश कुछ समय तक कोई भी कार्यवाही नही होती।

लेकिन पूरा बनने के बाद फिर मनपा के अधिकारी ही जाकर उसे तोड़ने की कार्यवाही करते हैं,

एक अधिकारी ने यहाँ तक भी कहाँ लोग का क्या हम अपना देखते है,